मूसा पर शिक्षा

तो ठीक है। परमेश्वर आपको आशीष दे, भाई नेविल। सुप्रभात, मित्रों। मुझे कभी तो एक बार देखना होता है कि यह पता लगाने के लिए कि यह सुबह है या शाम। तो ठीक है, मैं आज सुबह यहां आकर खुश हूं। यह गर्म है, और निश्चय ही आपका गर्मजोशी से अभिनंदन हुआ होगा। हमारे पास अब और वसंत ऋतु का मौसम नहीं है; हमारे यहां गर्मी और सर्दी है, क्या हमारे पास नहीं है? ऐसा लगता है कि हर एक चीज, किसी न किसी तरह, आपकी जरूरत से बाहर हो गयी है।

2 तो, जिस बात ने मुझे देरी करा दी, मैं—मैं घर की सफाई कर रहा था। और मैं आज सुबह अकड़ गया था और तकलीफ में था। और मुझे उठ कर बहुत समय हो गया, लेकिन मैंने इस बात को नहीं समझा था कि एक महिला के पास करने के लिए बहुत ही काम होता है, उन्हें तीन बच्चों को तैयार करना होता है और फिर संडे स्कूल के लिए जाना पड़ता है। ओह, प्रभु! करने के लिए बहुत सा काम है, जितना मैंने सोचा था उससे अधिक करना होता है। और मैंने सोचा, "खैर, अब... " पिछली शाम वो काम को कर रही थी, और—और मैं—मैं प्रचार के कार्यक्षेत्र से वापस आया कि घर की साफ–सफाई में सहायता करूंगा, मैंने सोचा। ओह, क्या इसे संभालना कठिन परिश्रम नहीं है? हुंह! मैंने एक सप्ताह के लिए पैंतीस डॉलर देने की पेशकश की, कि कोई तो बच्चे की देखभाल करे, और कोई भी इसे करने के लिए तैयार नहीं होता है।

3 अधिक समय नहीं हुआ एक व्यक्ति ने यहां अखबार में एक लेख का अंश लिखा। निश्चय ही, यह बात का संबंध इससे नही है। कहा कि वह यहां पर था, किसी प्रकार का राजनीतिज्ञ, जो यहां केंटकी में था, उसने कहा कि वह दो बार सेना में रहा था, वह तीन बार घायल हुआ था, एक नायक के रूप में, वह पड़ोस में एक नागरिक के रूप में रहता था, उसने बहुत सी चीजें की थी, दो बच्चों के जीवन को बचाया था, और एक को खाड़ी से और एक किसी और चीज से, वो भूल जाता है उसे जो क्या करना था। और अंत में उसने सोचा, ठीक है, उन्हें पड़ोस से सबंध को सही रखना होगा, वह एक ऑफिस को चलाएगा। और जब ऐसा उसने किया, एक लाख लोगों में

से, उसे पांच वोट मिले। उसने शासन अधिकारी से पूछा कि क्या उसे एक बन्दूक मिल सकती ताकि उसे पड़ोस से बाहर निकलने में मदद मिल सके, कहा, "यहां तक कि नगर के आसपास रहना भी खतरनाक था।" उसके पास इतने मित्र भी नहीं थे कि उसे शहर से बाहर निकालने में सहायता कर सके। हालांकि, यही अमेरिकी आभार है, क्या ऐसा नहीं है? यह सही बात है। अमेरिका में, जितना अधिक आप करते हैं, उतना ही अधिक आपसे करने की अपेक्षा की जाती है। यह सही है, आपसे अधिक अपेक्षा की जाती है।

4 तो ठीक है, मैं आज सुबह अपनी ओर से प्रशंसा को करना चाहता हूं कि कलीसिया कितनी साफ और अच्छी दिखाई पड़ रही है। और जैसे ही मैं आया, बेहतर आवागमन के लिए उनके पास वहाँ एक दरवाज़ा था। तो यह वास्तव में अच्छा है, जो यहां ट्रस्टी बोर्ड के कार्य पर है और इसे प्रेरित करने में सहायता की है। यह निश्चित रूप से बहुत ही अच्छा था, और यह एक अच्छा साफ-सुथरा काम किया गया है। मैं सोचता हूं भाई हॉल, यदि मैं गलत नहीं हूं, उन्होंने इसे किया। यह बहुत ही अच्छा काम है।

5 अब, यह थोड़ी देर हो चुकी है, लेकिन आप जानते हैं कि लोग कितने पवित्र होते हैं। देखिए, इसका कोई निश्चित समय नहीं है, क्या हमारे पास है, भाई स्लॉटर, भाई डिट्समैन? [भाई लोग और दूसरे कहते हैं, "नहीं।"—सम्पा।] हर एक चीज वैसे ही जैसे हम इसे लेते हैं।

6 वहां दक्षिण में अद्भुत सभाये हुई थी! लेकिन मैं अभी कुछ दिनों पहले ही बात कर पाया हूं। मैंने सीधे चार महीने तक प्रचार किया, और मेरे पास इतनी आवाज भी नहीं थी कि—कि यहां तक फुसफुसा भी सकूं। मुझे बस एक प्रकार से अपनी पत्नी को इशारे से बताना पड़ता था, आप जानते हैं, मैं क्या चाहता था, और यह एक प्रकार से... और फिर उसके बाद, और यहाँ वापस आते हुए जहाँ यह इस प्रकार का कुछ छल-कपट का मौसम रहा है, (क्योंकि, एक दिन ठंडा और अगले दिन गर्म), मुझे बहुत ही, बहुत ही एक पुराने समय का फ्लू हो गया। और मैंने कुछ ही दिन पहले उठकर, और फिर से आरंभ किया। और इसलिए हम भले प्रभु के लिए धन्यवादित हैं, हालांकि, उसकी सारी अच्छाई और हम पर दया के लिए, और—और वह कितना भला रहा है। वहां नीचे अद्भुत सभाये हुई थी, और प्रभु ने हमें बहुत ही अधिक, बहुतायत से आशीषित किया।

7 और पिछली रात्रि, लगभग आधी रात को, भाई वुड ने मुझे अपने घर बुलाया, और भाई आर्गनब्राइट फोन पर थे, चाहते थे कि मैं स्विट्ज़रलैंड में आरंभ करूं। तो, यह एक बूढ़े व्यक्ति के लिए वहां जाना बहुत ज्यादा है।

8 सो, अब, हमारी अगली सभा अगले महीने की ग्यारह तारीख को आरंभ होगी, इंडियानापोलिस के कैडल टेबरनेकल में। इंडियानापोलिस में कैडल टेबरनेकल में—में, ग्यारह से लेकर पंद्रह तारीख तक। और फिर, वहां से मिनिया... मिनियापोलिस की ओर; इंडियानापोलिस से मिनियापोलिस, क्रिश्चियन बिजनेस मेन।

9 अब मैं सोचता हूं भाई नेविल ने मुझे फोन किया, और मैं दिखाना चाहता था मेरा... मैं उनका और नेविल के तीन जनों के समूह का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मेरे लिए आकर और उस अंतिम संस्कार में गीत गाया, जो मेरे बीते परसों के दिन पर था। और मैंने भाई नेविल से पूछा; वहां पर कोई भी गीत गाने वाला नहीं था, लिडिक परिवार; जब श्रीमान लिडिक महिमा में घर चले गये थे। और मैं निश्चय ही... यदि उसका पुत्र, मैं उसे यहां नहीं देख पा रहा हूं; और मुझे बाद में पता चला कि यह उनका एक पाला-पोसा हुआ पुत्र था। यह जानते हुए कि उसके पिता मर रहे है, बिना उद्धार के, मुझे बुलाने के लिए घर की ओर दौड़ा, इससे पहले कि वह... और उसके पिता ने मरने से पहले उद्धार को पाया। तो सबसे बड़ी चीज जो उस लड़के ने कभी की, वो किसी को बुलाने के लिए आया जिससे कि जाने से पहले उसके पिता के लिए प्रार्थना करे। और नेविल के तीन जनों के समूह ने आकर और उनके लिए बहुत ही प्यारा सा गीत गाया।

10 और सो भाई नेविल ने मुझसे पूछा कि क्या मैं आज सुबह और इस शाम को भी प्रचार करूंगा। इसलिए आप ध्यान देना, वचन कहता है, "बहुतायात से मांगो कि तुम... " इसलिए भाई नेविल निश्चित रूप से उन बातों पर वचन के अनुसार करते है, बहुत ही ज्यादा! और इसलिए मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा।

11 अब, मैंने आज सुबह कहा, क्योंकि यह मातृ दिवस है, और हम छोटे बच्चों से—से बात करना चाहते हैं। मैंने सोचा कि आज सुबह छोटे बच्चों के लिए—के लिए एक अच्छा समय होगा। अब मैं सोचता हूं कि मां का दिन है...

12 अब, धरती पर कोई भी इतना मीठा नहीं है, जिसे हम जानते हैं, जो

एक वास्तविक, सच्ची मां से बढकर हो। परमेश्वर उसके साहसी प्राण को आशीष दे, उस एक सच्ची, वास्तविक मां के। लेकिन आज हमें बहुत सारे विकल्प मिल गए जिसे—जिसे “माँ” कहा जाता है, जो कि माँ नहीं है; वे तो केवल स्त्रियां हैं जिनके बच्चे होते हैं, लेकिन वो मां नहीं है। एक पुराने समय की माँ ही वो एक है जो अपने परिवार की देख-रेख करती है, और वो इन मौज-मस्ती में और नाचने के लिए बाहर नहीं पड़ी रहती है, और सारी रात भर, धूम्रपान करती, शराब पीकर, वहां आती है। वह मां के पवित्र नाम के योग्य नहीं है। वह तो बस एक महिला है, ऐसा ही है, जो एक बच्चे की परवरिश कर रही है; लेकिन वो मां नहीं, क्योंकि *मां* के लिए इसका एक अलग अर्थ होता है। अब मैं—मैं सोचता हूं यदि आप...

13 अब, मातृ दिवस के लिए, मैं अपने आप को सचमुच में अच्छी तरह से व्यक्त करना चाहता हूं। मेरी एक बूढ़ी सफेद बाल वाली मां है जो वहां बैठी हुई है, स्वतः। और मैं सोचता हूं, एक दिन, अच्छी बात है; लेकिन हर दिन मातृ दिवस होना चाहिए, ना ही बस वर्ष में एक बार। और जो कारण कि ये मातृ दिवस की बातें अभी चल रही हैं...

14 और मैं देखता हूं कि हमारे पास बस कुछ मुट्ठी भर ही है, और हम सब एक दूसरे को जानते हैं। हम घर के ही लोग हैं, और यही कारण है कि हम इस तरह से बात करने जा रहे हैं।

15 मैं सोचता हूं कि एक मां को हर दिन उसी तरह से आदर देना चाहिए, यह सही है, एक सच्ची मां। और, लेकिन इस दिन को वे मातृ दिवस कहते हैं, संसार में सिवाये एक बडे व्यवसायिक बेहूदा चीजों के कुछ भी नहीं है, केवल लोगों से पैसो को निकालने के लिए ऐसा करते है। और यह मां के लिए अपमान की बात है, एक मातृ दिवस, जो वर्ष में एक बार होता है कहते है, “खैर, हम उसे मिलने नहीं जाते हैं, लेकिन हम उसे फूलों का एक छोटा सा गुच्छा भेज देंगे और इससे बात खत्म हो जाएगी।” यह माँ नहीं है! हे प्रभु! एक सच्ची मां एक महिला होती है जिसे आप... एक जिसने आपका पाल-पोस कर बड़ा किया है, और आप उससे प्रेम करे, और आप उससे मिलने जाए और हर समय उससे बात करे। आप हर समय उसके प्रति अपने प्रेम को व्यक्त करे, ना कि वर्ष में केवल एक दिन।

16 लेकिन अब इससे पहले कि मैं अपने छोटे से नाटक को आरंभ करूं, मैं बस इस बात को व्यक्त करना चाहता हूं, और नए सिरे से... आप में से

कुछ, आप में से बहुत से जा चूके हैं, उनमें से बहुत से चले गए हैं जब से इसे बनाया गया था। यह 1933 में था।

17 क्या आपने कुछ रात पहले अखबार में देखा था जहां पर उस महिला ने उस पुरुष को मार डाला? उसे बाहर उसके वाहन के रास्ते में फेंक दिया और बस उसके ऊपर से उसकी कार को आगे और पीछे करके चलाने लगी यहाँ तक कि उसने उसे सड़क पर पूरी तरह से कुचल डाला। और उन्होंने कहा, उस—उस वकील और बाकी लोगों ने, कहा, "क्या यह आपके विवेक को दोषी नहीं ठहराता है? "

उसने कहा, "परमेश्वर और मैं थक गये हैं जिस तरह से महिलाओं के साथ व्यवहार किया जाता है।" ओह! जी हां, महिला एक आदर्श है। यह सही है। "थक रहे है।" यह राष्ट्र कितना नीचे गिर सकता है? मैं सोचता हूं, बिना दिव्य न्याय के हम कितनी दूर तक जा सकते हैं? "परमेश्वर और मैं"? यदि परमेश्वर उन सारी बेकार बातों के लिए दोषी था, जो उस पर डाली गई थी, तो वह परमेश्वर नहीं होता, ऐसा ही है। "परमेश्वर और मैं"? ओह! परमेश्वर का इस तरह की बातों से कोई लेना–देना नहीं है। सोचता हूं कि जब वह वहां पीड़ा में होती है, तब वह इस विषय में कैसे सोचेगी? ओह!

18 अमेरिका! अब आपको याद है, यदि आपने इसे लिख कर नहीं रखा है, तो इसे लिख लें। यह मेरी भविष्यवाणी है। समझे? 1933 में, जब हम यहां सभाये कर रहे थे, जहां पुराने लोग यहाँ पर, मैं सोचता हूं कि चर्च ऑफ क्राइस्ट अब वहां पर है, यह पहले हुआ करती थी... यह ठीक यहाँ पर है, भाई नेविल, ठीक वहां नीचे। चार्ली केर्न वहाँ पर रहा करता था। यह क्या है... यहाँ पर मेग्स एवेन्यू पर अनाथालय है। 1933 में, मेरे पास 1933 की फोर्ड कार थी, और मैंने इसे उस सुबह प्रभु को समर्पित किया था। और, घर छोड़ने से पहले, मैंने एक दर्शन देखा। मैंने इसे लिखकर रखा है, पुराना पीला कागज अभी भी एक बाईबल में प्रतीक्षा कर रहा है। मैंने देखा कि अंत का समय आ रहा है।

19 और, आप, कितने लोग याद कर सकते हैं कि एक 33 की कार वहां पहले कैसी दिखाई देती थी? ओह, यह एक प्रकार से *इस* तरह से बाहर निकल गया था, और वहां पीछे की ओर ऊपर था, और अतिरिक्त टायर को लटकाने के लिए काटा गया था। मैंने एक दर्शन देखा, कि, "प्रभु के

आगमन से पहले, कि कारें एक अंडे की तरह दिखाई देंगी।" कितनों को वह भविष्यवाणी याद है? क्या यहां कोई पुराना व्यक्ति बचा है? भाई सेवार्ड जा चूके हैं। और मैं समझता हूं... यह 1933 की बात है जब हम यहां पर सभाओ को कर रहे थे। मैं समझता हूं कि तब से लेकर अब वे सारे लोग जा चूके हैं।

20 और मैंने भविष्यवाणी की, कि, "अमेरिका, उनका पहले नंबर का देवता स्त्रियां होंगी।" यह वही है। हर एक चीज हॉलीवुड के फैशन के अनुसार होती है। मेरे पास एफबीआई की फाइल से रिकॉर्ड पर चीजें है जो आपको चौंका देगी बस—बस आपको बताने के लिए, ठीक जहां... और अनैतिक आचरण या गन्दा काम इन फिल्मी सितारों का है, उनमें से शायद एक भी ऐसा नहीं है, लेकिन सारे वेश्यावृति करने वाले है। और एफबीआई ने हाल ही में इसका पर्दाफाश किया। मेरे पास यह उनकी खुद की फाइल से रिकॉर्ड है। और इसलिए वे सभी बाहर रह रहे थे, यहां तक कि ये फिल्मी सितारे भी, जहां उसने साबित किया, उन्होंने वहां जाकर और उन्हें गिरफ़्तार कर लिया, पुरुषों के साथ रहती है, पच्चीस डॉलर प्रति रात्रि का देते है, एक व्यक्ति, सारे ऊपर और नीचे रहते है, हॉलीवुड में और हर जगह, उनके पास खुद के निजी घर थे और वहां पीछे पुरुष रहते थे जहां वे उन्हें इन लोगों के पास भेजते थे। और यही है जिसे हम देखते हैं, टेलीविजन पर, और—और यहाँ इन सिनेमा के पर्दों और इत्यादि पर, और हमारे बच्चों को कहने देते है कि यह एक आदर्श है। और फिर उसे *मां* बुलाते है? यह एक मां होने से बहुत ही दूर की बात है। यह गंदगी है। बिल्कुल ऐसा ही है। और फिर भी उन्होंने दिन को निर्धारित किया है। हम उन्हें... वे जिस तरह के कपड़े पहनते हैं, अमेरिकी महिलाओं को देखे ठीक उनके जैसे ही कपड़े पहनती हैं, और हर एक चीज करती है। निश्चय ही। और अमेरिका की देवी एक स्त्री है। ना ही यहोवा; वे इससे मुंह फेरकर दूर चले गये है। ना ही अब *मां* के लिए, अब इसे एक तरफ रख दें, यह एक पवित्र चीज है जिसके बारे में हम बात करने जा रहे हैं; लेकिन मेरा अर्थ *स्त्री* से है।

21 और, याद रखना, मैं भविष्यवाणी करता हूं कि उस बड़े पूर्ण विनाश से पहले, जो मैं नहीं कहता कि प्रभु ने मुझे इसे बताया है, लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि कुछ घटित होगा या तो अब से बीच में या तो उस समय पर 77 में। यह इस घड़ी में आ सकता है। लेकिन अब से और 77 के बीच, मैं

भविष्यवाणी करता हूं कि या तो एक बड़ा विनाश या पूरी धरती का कुल विनाश, अब और 77 के बीच होगा।

22 मैंने इसकी 1933 में भविष्यवाणी की थी, मैंने भविष्यवाणी की थी कि महिलाएं चरित्र भ्रष्ट होती जाएगी और राष्ट्र गिरता ही जाएगा, और वे माँ के साथ लटके रहती है, या जैसे माँ इस तरह से, जब तक वे एक महिला नहीं बन जाती, एक आदर्श नही बन जाती। और कुछ समय के बाद, कि, "अमेरिका पर एक स्त्री का शासन होगा।" इसे चिह्नित करें और देखें कि क्या यह सही नहीं है। एक महिला राष्ट्रपति का स्थान लेगी या ऐसा ही कुछ, जो कुछ बड़ा, उसका अमेरिका में कोई उच्च अधिकार होगा।

23 जब, मैं इसे आदर के साथ कहता हूं, महिलाओं, जब एक महिला रसोई घर से बाहर निकल जाती है, तो वह अपने स्थान से बाहर हो जाती है। यह सही है। यही वह स्थान है जहाँ उसे होना है। उसके बाहर, उसका कोई स्थान नहीं है। और अब, मैं उन पर सख्त नहीं हूं, लेकिन मैं बस इतना ही बताता हूं कि सत्य क्या है और बाईबल क्या है... ऐसा हुआ करता था कि पुरुष घर का प्रधान होता था, लेकिन ऐसा बाईबल के दिनों में था। वो अब और प्रधान नही है। वह कठपुतली है, या वह... या बच्चे को सँभालने वाला या कुछ और है। और अब, नहीं, वे कुत्तों की देखभाल करना चाहते हैं, वे बच्चो के जन्म को रोकने का अभ्यास करते हैं, और एक छोटे से पुराने कुत्ते को हर समय उनकी बाहों में लिए रहती है, ताकि आप रात भर इधर-उधर जा सकें।

24 मैं—मैं मां के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। परमेश्वर उन्हें आशीष दे। यही है जो अब राष्ट्र को एक साथ बांधे रखती है, बीच राह में, जो एक सच्ची, अच्छी, पवित्र, परमेश्वर की उद्धार पाई हुई मां है। यह सही है।

25 लेकिन शर्म की बात है कि हमारी महिलाये कितनी बदनाम हो गयी है! मेरे पास अख़बार का एक टुकड़ा है जिसे, मैंने इस अंतिम नंबर दो विश्व युद्ध के बाद, वो टुकड़ा काट के रखा, जिसने कहा, "अमरीकी महिलाओं की नैतिकता कहां चली गई है, उस, बाहर के देश में छह महीने के बाद, पांच में से चार सिपाहियों को उनकी पत्नियों से तलाक दे दिया गया था, और उन्होंने किसी और पुरुष से विवाह कर लिया था? " और उनके लिए बाहर देश से वापस आने का इंतजार भी नहीं कर सकती थी, वहां पर सैनिक युद्ध के मैदान में मर रहे थे! वह व्यक्ति जो ऐसा करती है, वह मां कहलाने

के योग्य नहीं है, वह पवित्र नाम। नहीं, ये नहीं है। इसलिए मुझे हमेशा ही "महिलाओं से घृणा करने वाला," कहा गया है, लेकिन मैं ऐसा नहीं हूं। मैं सोचता हूं कि एक महिला एक अद्भुत चीज है, और विशेष रूप से जो एक मां होती है। लेकिन उन्हें उनका स्थान में होना चाहिए और पुरुष का स्थान नहीं लेना चाहिए, और परमेश्वर का स्थान नहीं लेना चाहिए।

26 और आज सुबह मैंने एक होलीनेस कलीसिया को यह कहते हुए सुना, कि, "एक माँ आकाश के तारों पर राज्य करती है," और यह सब। मैं कल्पना कर सकता हूं कि कैथोलिक कुंवारी मरियम पर ऐसा कर रहे हैं, और इसी तरह से आदि–आदि, जो, उन मरी हुई महिलाओं की आराधना करते है, संत सीसिलिया और इस तरह से सारे, जो कि आत्मिकता का सर्वोच्च रूप है। बस ये सब ऐसा ही है। जो कुछ भी मरे हुओं के साथ बिचवाई करता है, वो एक आत्मिकतावाद है। इसलिए, परमेश्वर और मनुष्य के बीच में केवल एक ही बिचवाई है, और वह मसीह यीशु है। यह सही है। कोई और संत नहीं, प्रभु यीशु मसीह के बाहर कुछ भी नहीं, केवल एक ही है जो परमेश्वर और मनुष्य के बीच बिचवाई करने वाला है। लेकिन जब मैं कलीसियाओ को देखता हूं, यहां तक कि पुलपीट के पीछे भी, सारी पवित्रता मसीह से लेकर और माँ को दे दी गई है, सारी पवित्रता को ले लिया गया है, तब—तब वे शुरू करते हैं और आप वहां पर हैं।

27 इसलिए, लेकिन वहां एक वास्तविक मां बचती है। परमेश्वर की स्तुति हो! ठीक वैसे ही जब आप एक ढोंगी को देखते हैं; वहां एक वास्तविक मसीही होते है जो वास्तव में जीवन को जीता है। जहां आपके पास एक भला होता है, आपके पास एक बुरा होता है। यह बिल्कुल सही है। और अब, उस प्रकार की मां और उस प्रकार का बालक, अब हम बाईबल में बात करना चाहते हैं।

28 अब मैं सोचता हूं, आज सुबह हमारे पास यहाँ कितने छोटे लड़के और लड़कियां हैं? यदि आपने कल भाई नेविल का प्रसारण सुना है... कितने छोटे लड़के और लड़कियां यहां आकर और आगे की सीट पर बैठना चाहेंगे, जब मैं आपसे बात कर रहा हूं? क्या आप यहां आना चाहेंगे? यहां एक, दो, तीन, चार, पांच सीटें है; एक यहां, छह है, और यहां कुछ थोड़ी सीटें है। क्या आप सामने आना चाहेंगे, आप में से कुछ छोटे बच्चे अपनी मां के बिना आगे आ सकते हैं, और यहां पर आना चाहेंगे? आपका बहुत बहुत

स्वागत है! माताएं आयी हैं... [भाई नेविल कहते हैं, “वहां और भी है; उनमें से अधिकांश संडे स्कूल के कमरे में थे।”—सम्पा।] ओह, वे संडे स्कूल के कमरे में हैं। तो, यह ठीक है। हम कुछ मिनटों के लिए रुकेंगे, और बात करेंगे, और वे कुछ ही मिनटों में बाहर आ जाएंगे। और हम बस यहाँ चारों ओर इकट्ठा होंगे, छोटी सी काली, और भूरी, और नीली आँखें, यहाँ ऊपर, और—और उनमें से हर एक से बात करेंगे। अब, कितने लोग प्रभु से प्रेम करते हैं? कहे, “आमीन।” [सभा कहती है, “आमीन!”] तो ठीक है।

29 अब मैं माताओं और बच्चों से बात करना चाहता हूं, और यह उनके लिए निर्देशित है।

30 आज रात्रि, यदि प्रभु ने चाहा तो, मैं पहले आश्चर्यचकित कामों पर बोलना चाहता हूं जो यीशु ने किये थे, और यह कैसे किये गये थे, और किस सामर्थ के साथ, और उसने क्या किया जब उसने अपना... कितने लोग जानते हैं कि उसने पहला आश्चर्यकर्म क्या किया? सब एक साथ इसे बोलो: “पानी को दाखरस में बदल दिया।” यह सही बात है, पहला आश्चर्यकर्म जो उसने किया। अब, यदि प्रभु ने चाहा तो। जिस समय मैं आज सुबह अध्ययन कर रहा था, यह मेरे दिमाग में आया।

31 मैं देखता हूं कि हमारे अच्छे मित्र श्रीमान और श्रीमती येकर वहां पीछे है, मैं सोचता हूं, आज सुबह। मैंने उन पर अभी ध्यान दिया, जब मैं स्थान से इस प्रकार घुमा। एक दिन मैंने जांच की; मुझे खुद को विदेश में कार्य करने के लिए परीक्षाओं के लिए तैयार रखना है। और, जब मैं बाहर आया, तो मैं श्रीमान और श्रीमती येकर के अलावा किससे मिला, जो वहां कार्यालय—कार्यालय में बैठे हुए थे।

32 डॉक्टर शोएन, लुइसविले में, एक बहुत ही भला मसीही भाई है। मैं आपको बताता हूं, मैं वास्तव में वहां एक सच्चे मनुष्य से मिला, एक सच्चा व्यक्ति जो परमेश्वर में विश्वास करता है और अपने भरोसे को वहां रखता है। आप जानते हैं क्या? मैं आपको बताऊंगा। मैं प्रचारकों की तुलना में अधिक डॉक्टरों को दिव्य चंगाई में विश्वास करते हुए पाता हूं। यह सही है। आप उनसे बात करें। कहते है, “निश्चय ही।” और जब वह... जब मैं छोड़ कर जाने लगा, तो उसने मेरा हाथ पकड़ा, उसने कहा, “भाई ब्रन्हम, आप मनुष्यता के लिए जितना मैं कभी कर सकता था, उससे अधिक करते हैं।” उसने कहा, “यह ठीक बात है।” कहा, “आप उन लोगों की सहायता कर

सकते हैं जिन्हें मैं छू भी नहीं सकता।" कहा, "यह सही बात है।"

33 मैंने कहा, "तो ठीक है, आप टाँके दे सकते हैं, या एक हड्डी को व्यवस्थित कर सकते हैं, या ऐसा ही कुछ। लेकिन परमेश्वर चंगाई को देता है।"

34 उसने कहा, "यह सही बात है।" आमीन। ओह, मैं व्यापक विचारों वाले, समझदार विचार वाले लोगों को देखना पसंद करता हूं। मैं शल्य चिकित्सा के बारे में और मेडिकल डॉक्टर के बारे में, और मांसपेशियों के चिकत्सक, अस्थिचिकित्सक, दिव्य चंगाई के बारे में सोचता हूं, और सब कुल मिलाकर, यदि इनमें से कोई भी किसी की सहायता कर सकता है, तो मैं इसके लिए हूं। और जब आप एक डॉक्टर को लेते हैं, एक प्रचारक को दोषी ठहराते हैं; प्रचारक एक डॉक्टर को दोषी ठहराता है; और एक अस्थि रोग विशेषज्ञ एक शल्य चिकित्सक को दोषी—दोषी ठहराता है; शल्य चिकित्सक एक चिकित्सक को दोषी ठहराता है; आप इसकी कल्पना कर सकते हैं, कहीं तो कुछ स्वार्थी उद्देश्य है। यह ठीक बात है, क्योंकि उनमें से प्रत्येक ने साबित किया है कि वे किसी की सहायता करते हैं। यह बिल्कुल सही है।

35 अब बात ऐसी है, मैं सोचता हूं, यदि हमारा उद्देश्य सही है, और हमारा हृदय लोगों के प्रति सही है, हम सब को एक साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि हमारे साथी मनुष्य की सहायता करें, ताकि एक जीवन को आसान बनाये। और तब आपका उद्देश्य निःस्वार्थ होता है, परमेश्वर को स्तुति देते हुए, जो सब कुछ मुफ्त में दे देता है। आमीन। जी हां, श्रीमान। ओह, हमारे पास कहीं भी कोई स्वार्थ नहीं होना चाहिए; यह सिद्ध रूप से होना चाहिए।

36 यदि कायरोप्रैक्टिक *इसकी* सहायता कर सकता है, और अस्थि रोग विशेषज्ञ *इसकी* सहायता करते हैं, शल्य चिकित्सा *इसकी* सहायता करता है, और कोई तो *उस* एक की सहायता कर सकता है, तो आइए इस सब के लिए प्रार्थना करें, आमीन, कि परमेश्वर बस उसके प्रिय लोगों को चंगा करने और खुश रहने में सहायता करे। क्योंकि, हमारे पास यहां पर ज्यादा समय तक बने रहने का समय नहीं है, बस कुछ ही दिन और हम रास्ते पर हैं, कहीं तो और चले जाते हैं। इसलिए हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, ये जीवन को थोड़ा आसान बनाता है, ताकि आपके पास यहां रहते हुए

एक बेहतर समय हो सके। आमीन।

37 अब इस विचार पर, आइए हम अपने सिरों को झुकाए इससे पहले कि हम बाईबल को खोलें, और अपने प्रिय उद्धारकर्ता से बात करें।

38 हमारे दयालु, स्वर्गीय पिता, हम आज सुबह बहुत ही नम्रता से आपकी उपस्थिति में आते हैं, और हर एक चीज के ऊपर आपका धन्यवाद करते है जो कभी धरती पर था, या कभी होगा, प्रभु यीशु मसीह के लिए। क्योंकि, वही वो एक था जिसने मनुष्य और परमेश्वर को एक साथ लाया, और हमारा मेल–मिलाप किया, बेचारे अयोग्य, अधर्मी परदेशी, परमेश्वर से दूर, हमारे खुद के चुनाव को लेने के द्वारा—के द्वारा, हमने अपने स्वयं के चुनाव को लिया और उससे दूर चले गए। और वह बहुत ही भला था कि आये, और जब हम परमेश्वर के लिए अप्रिय थे, जबकि हम पापी थे, परमेश्वर से दूर, उसने हमें वापस पिता के साथ मेल–मिलाप किया, उसके अपने लहू के बहाने के द्वारा।

39 हम उसके लिए कैसे आपका धन्यवाद करें! और आज एक बिचवाई के रूप में खड़ा हुआ है, केवल एक जो परमेश्वर और मनुष्य के बीच में है, जो परमेश्वर की उपस्थिति में प्रार्थना को कर सकता है, उसके अपने लहू के मंच के जरिये से जिसे उसने धरती से महिमा तक के लिए बहाया। इस धरती पर एक खलिहान में से होते हुए आया, एक चरनी में जन्मा। मृत्युदंड में से होते हुए धरती से बाहर चला गया। धरती ने उसे नहीं चाहा। स्वर्ग उसे ग्रहण नहीं कर सका, क्योंकि वह एक पापी था, उसके ऊपर हमारे पाप डाले गये थे। धरती ने उसे नहीं चाहा। उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया कहा, "ऐसे व्यक्ति से दूर रहो!" उसके पास... यहां तक कि जन्म लेने के लिए स्थान भी नहीं था, या मरने के लिए स्थान भी नहीं था। और वह आकाश और धरती के बीच में लटक गया; स्वर्ग उसे ग्रहण नहीं कर सकता, ना ही धरती उसे ग्रहण कर सकती है। और वह मर गया, जो भी है, हमें पाप से बचाने के लिए, ताकि हमारी बीमारी को चंगा करे, ताकि हमें आनंद दे और जब हम यहां धरती पर है एक आनंददायक प्रवास हो। क्या ही उद्धारकर्ता है! ओह, हम उसके लिए आपको कितना धन्यवाद देते हैं!

40 हे परमेश्वर, हमारे हृदय की हर प्रशंसा और आराधना उस पर उंडेली जाये, और केवल उसी पर। होने पाए हर एक आदर और हर एक आराधना, हर एक चीज जो हमारे होठों या हृदय से निकलती है, होने पाए यह उस

पर रखी जाए जो सारी चीजों के योग्य है, वो जो एक दिन सिंहासन पर बैठा हुआ था, उसके हाथ में किताब के साथ। स्वर्ग या धरती में कोई भी मनुष्य योग्य या नहीं कर सकता था यहां तक कि पुस्तक को देख सके, या मोहरों को खोल सके जिसने इसे मोहरबंद किया था। और यह मेम्ना जो घात किया गया था, जब पृथ्वी की बुनियाद डाली गई थी, आकर, इसे उसके हाथ से ले लिया, मोहरों को खोल दिया और उन—उन वचनों को लोगों के लिए खोल दिया।

41 और, पिता, हम आज प्रार्थना करते हैं कि उसका पवित्र आत्मा हमारे ह्रदयो को उसके सारे अंधकार से छुड़ा ले, हमारी जुबान को उन सब बुराईयों से छुड़ा ले, हमारे सारे पापों को क्षमा करे, और सारे अंधकार को दूर करे, और इस प्रातः हमारे ह्रदयो में से हट जाये।

42 और विशेष रूप से ये छोटे बच्चे, परमेश्वर, उन्हें आशीष देना जब वे आज सुबह अपनी प्यारी सी मां के साथ यहां बैठे हैं। परमेश्वर, हम किस तरह से आपको मातृत्व के लिए धन्यवाद दे, उन सच्ची महिलाओं के लिए! इस सारे अंधकार और मूर्तिपूजा के बीच में, और संसार की गंदगी और भ्रष्टता, फिर भी हमारे पास वास्तविक, सच्ची माताएं हैं। हम उनके लिए कैसे आपका धन्यवाद करें! युवा और बूढ़े, दोनों ही, हम आपको धन्यवाद देते हैं, पिता, सच्ची मातृत्व के लिए। और हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि आप उन्हें आशीष देंगे।

43 देख रहे हैं, आज सुबह यहां बैठे हुए हैं, हमारे बहुत से भाई और बहन सफेद गुलाब पहने हुए हैं या सफेद फूलो का गुच्छा और फूल, जिसका अर्थ है कि उनकी प्रिय संत मां पर्दे के पार चली गई है, दूसरी ओर है; मरी नहीं है, लेकिन हमेशा के लिए जीवित है। किसी दिन वे भी नीचे नदी के पास आ जायेंगे और वहां वे उसे फिर से देखेंगे, दूसरी ओर। बहुत से लाल गुलाब पहने हुए हैं, उनकी मां अब भी यहां पर है। हम इसके लिए आपका धन्यवाद करते हैं।

44 प्रार्थना करते है कि आप हमें एक साथ आशीष देंगे जब हम आपके वचन का अध्ययन करते हैं, क्योंकि हम इसे मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

45 अब प्रभु आपको आशीष दे। और हम सीधा आज सुबह वचन पर आरंभ करते हैं। अब, पहले, इस छोटे से नाटक से पहले, मैंने माताओं और छोटे

बच्चों के लिए सोचा... और वे हो सकता है मुझे सुन रहे हो, क्योंकि इस बात में पूर्ण रूप से एक शिक्षा है। और मैं एक छोटा सा नाटक को बताने जा रहा हूं, क्योंकि मैंने अब अपनी सभाओ पर ध्यान दिया है, कभी–कभी नाटक पूरी तरह से सहायता करते हैं। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? छोटे बच्चे इसे अच्छी तरह से समझ जाते हैं। मैं कुछ छोटे, चमकदार आंखों वाले लड़कों को देख रहा हूं, जो अब बैठे हुए मेरी ओर देख रहे हैं, जो कि आने वाले कल के पुरुष होंगे, यदि कोई आने वाला कल है।

46 और अब इससे पहले हमारे पास कोई नाटक हो, या कुछ और जो कलीसिया में बताया जाता है, इसकी अवश्य ही बाईबल की पृष्ठभूमि होनी चाहिए। आमीन। यह अवश्य ही बाईबल की पृष्ठभूमि होनी चाहिए। पहले, आइए हम सब मत्ती के 16वें अध्याय और 25वें पद की ओर जाये, और हम इन पदों को पढ़ेंगे। पहले, जब हम पढ़ रहे हैं, तैयार हो रहे हैं, हो सकता है उस समय तक वे छोटे बच्चे बाहर आ जायेंगे। अब मत्ती 16:25, हम इसे पढ़ते हैं:

क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे, वह उसे खोएगा;
और जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा।

47 अब, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण वचन है। आइए हम सब इसे एक साथ पढ़ें। आप क्या कहते हैं? हर कोई, छोटे बच्चे और सारे, अब एक साथ पढ़े। [भाई ब्रंहम और सभा के लोग के लोग एक साथ निम्नलिखित वचन को पढ़ते हैं—सम्पा।]

क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे, वह उसे खोएगा;
और जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे पाएगा।

48 आप जानते हैं, लड़के और लड़कियां, और मैं जानता हूं कि बड़े लोग भी इसका उसकी तरह से आनंद लेंगे जैसे बच्चे लेंगे। लेकिन, यह वचन बहुत ही महत्वपूर्ण है! और कुछ वचन इतने महत्वपूर्ण हैं कि परमेश्वर इसे चारों सुसमाचारों में डालता है: मत्ती, मरकुस, लूका और यूहन्ना। लेकिन, यह इतना महत्वपूर्ण था इतना तक कि उसने इसे छह बार सुसमाचार में डाला! यह छह बार उसके अपने खुद के होठों से आया, यीशु के।

49 अब वहां मरकुस में, हम वहां मरकुस के 8वें अध्याय पर जायेंगे, और 34वें पद से आरंभ करेंगे, और मैं वहां पर कुछ पढूंगा। और मैं चाहता हूं कि आप यहां फिर से ध्यान दें, इस बात को जारी रखते हुए, जहां यीशु ने

इसे बोला था। और याद रखें, उसने इसे सुसमाचार में छह बार लिखा है, इसलिए यह निश्चित होगा! दो गवाह होते है, लेकिन उसने इसे तीन बार डाला है, देखो, इसलिए यह निश्चित ही होगा कि आपको यह याद रहे।

और जब उसने—*जब उसने* वैसे *ही भीड़ को* और *अपने चेलों समेत पास बुलाकर उन से कहा, जो कोई मेरे पीछे आना चाहे, वह अपने आप से इन्कार करे,... और अपना क्रूस उठाकर, मेरे पीछे हो ले।*

50 अब, अनुवादकों में से एक ने डाला, "अपना क्रूस उठाकर और प्रतिदिन मेरे पीछे हो ले।" अब, अब 35वां पद। सुनना:

क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा; *पर जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिये अपना प्राण खोएगा, वह उसे बचाएगा।*

यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा?

या मनुष्य अपने प्राण के बदले क्या देगा?

51 अब आइए इस 35वें पद को लेते हैं और अब इसे एक साथ दोहराये। तो ठीक है। अब आइए इसे एक साथ कहें। हम मरकुस 8:16 को लेने जा रहे हैं, अब आइये हम इसे एक साथ कहेंगे; मरकुस 8:16, क्षमा करें, मरकुस 8:16, 35। नहीं, मैंने इसे अभी गलत लिया है। मरकुस 8, मुझे क्षमा करें। मरकुस, संत मरकुस, 8वां अध्याय, 35वां पद। अब आइये इसे करने की कोशिश करते हैं। संत मरकुस, 8वां अध्याय, 35वां पद। अब हमें मिल गया। आइए इसे पढ़ते हैं। [भाई ब्रन्हम और सभा के लोग एक साथ निम्नलिखित वचन को पढ़ते हैं—सम्पा।]

क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहे वह उसे खोएगा; पर जो कोई मेरे और सुसमाचार के लिये *अपना प्राण खोएगा,... वह उसे बचाएगा।*

52 यह अद्भुत है? अब, हम अपनी छोटी सी कहानी के साथ आगे बढ़ेंगे, और जैसे ही बच्चे आकर वे अपने स्थान को ले लेंगे। प्रबंधक लोग उन्हें देखते हैं, जब वे, शांति से... आप देखते हैं कि क्या आप उन्हें यहां पर ला सकते हैं, जब कि हम लेते हैं और अपनी कहानी पर जाते हैं। हम इसे

आज सुबह एक नाटक पर आधारित करने जा रहे हैं। और मैं, बहुत सी बार, यहां कुछ दिनों पहले मैं...

53 भाई और बहन वुड मेरे साथ थे, मैं विश्वास करता हूं, वहां पिछली सभा में, और मैं क्रिश्चियन बिजनेस मेन के नाश्ते में बोल रहा था। और मैंने जक्कई का एक छोटे से नाटक रूप को दिया... जो ऊपर गूलर के पेड़ में था, और, जब यीशु वहां से गुजरा, और उसके पास कैसे एक कूड़े का डिब्बा है, आप जानते हैं (और इसे नाटकीय रूप से बताया), और एक पेड़ पर चढ़ गया, यीशु को देखने के लिए; वो व्यापारी जो पेड़ पर बैठा हुआ था, आप जानते हैं, वो यीशु से छिप रहा है। और यीशु नहीं जानता था कि वह कहां पर था, जैसे कि आप समझ रहे हैं। और फिर उसने कहा, "ओह, उन्होंने मुझे बताया था कि वो मनुष्य चीजों को जानता है और चीजों को पहले से बता सकता है, और जानता है कि मछली के पास सिक्का कहां था। मैं इसका विश्वास नहीं करता।" और यीशु ठीक पेड़ के नीचे चलकर गया। और उसने कहा, "ओह, वह मुझे नहीं देख सकता, मैं एक पेड़ पर बैठा हुआ हूं।"

54 यीशु रुक गया और ऊपर की ओर देखा, और कहा, "जक्कई, नीचे आ।" केवल इतना ही नहीं जानता था कि वह वहां पर था, लेकिन वह यह भी जानता था कि वह कौन था।

55 इसलिए मैं सोचता हूं कि एक छोटा सा नाटक कभी–कभी बूढ़े लोगों की, बड़े लड़के और लड़कियां, वैसे ही जैसे युवा की सहायता करता है।

56 इसलिए अब आप मुझसे इसके समाप्त होने के बाद पूछ सकते हैं, "भाई ब्रन्हम, आपको इन बाईबल के पात्रों और नामों की यह जानकारी कहां से मिलती है? " उनमें से कुछ, मुझे मेरे अच्छे मित्र, भाई बूथ–क्लिबॉर्न के द्वारा सहायता मिलती है। और दूसरा, जोसीफस के द्वारा, जो महान इतिहासकार है। और फिर इतिहास पर किताबें इस घटना की जो मैंने पढ़ी हैं, और इत्यादि। और इसी तरह से मुझे मेरी जानकारी मिलती है, जो हम आज सुबह नाटक में देने जा रहे हैं, इसके लिए।

57 मैं देख रहा हूं कि हमारे छोटे बच्चे अब बाहर आ रहे हैं, और आज सुबह इस कहानी के लिए जो हम बताने जा रहे हैं। अब आप छोटे लड़के और लड़कियां, यदि आप ऐसा कर सकते हैं, जितने भी चाहते हैं, ठीक यहां सामने आ जाए। हमारे पास पांच या छह खाली सीटें हैं। यदि आप ठीक

यहाँ पर आना चाहते हैं, तो हमें आपको यहाँ पाकर खुशी होगी। वे बस समय पर आ रहे हैं, यहाँ छोटे नाटक के लिए।

58 और अब इसी तरह से मुझे जानकारी मिलती हूं, मैं इसे ऐसे ही ढूंढता हूं। हो सकता है कोई वहां से उठाकर और कहेगा, "तो ठीक है, मैंने बाईबल के उस भाग को कभी नहीं पढ़ा।" लेकिन, यदि आपने नहीं पढ़ा, तो इतिहास ने इसे उठाया है, आप देखना। तो यह सब एक ही कहानी है, केवल ऐसा है कि एक—एक—एक छोटे से नाटक के रूप में दिया गया है।

59 और, सो, ऐसा ही है! यही है! यह आपका छोटा भाई है? ओह, वह बिल्कुल तुम्हारे जैसा ही दिखाई देता है! और वह एक अच्छा लड़का है। आप बस बता सकते हैं कि वह है। तो ठीक है।

60 अब आप यहां आकर और यहां बैठना चाहते हैं? वहां दो छोटी लड़कियां हैं, या तीन छोटी लड़कियां हैं। ओह, यह बस अच्छा है और बढ़िया है! अब मैं चाहता हूं... यह छोटी सी कहानी आज सुबह छोटी लड़कियों और लड़कों के लिए है। मिसस कोलिन्स, मैं सोचता हूं कि वहां पर आप है, और दूसरी छोटी बहन; आप ठीक वहां पर जाना चाहती हो, प्रिय, और बैठ जाये। जी हां, मैं सोचता हूं कि ठीक यहां पर एक स्थान है, यदि वह महिला अपनी छोटी सी किताब को हटा—हटा ले। और—और फिर ठीक *यहाँ* पर यहाँ पर कुछ सीटें है।

61 मैं चाहता हूं कि ये सारे छोटे लड़के और लड़कियां यहां सामने हो, ताकि मैं उनसे बात कर सकूं। यहाँ, यहाँ हमारे पास यहाँ कुछ कुर्सियाँ हैं। हम बस देखते हैं कि आपके पास कुछ कुर्सियां हैं। जी हां, श्रीमान। उनमें से कुछ लोग ठीक यहां हमारी सहायता करेंगे। सो, हम चाहते हैं कि यह इन छोटे लड़कों और लड़कियों के लिए हो। ओह, प्रभु! क्या यह ठीक नहीं है? अब यह... मैं सोचता हूं कि आपके पास कुछ और होंगे, भाई नेविल, मैं कुछ और लोगों को आगे आते हुए देखता हूं। और अब यह अब ठीक है!

62 यहाँ पर कितनी माताये है? अपने हाथ उठाये। ओह, यह अद्भुत है! अब, यह बस अच्छा है और बढ़िया बात है।

63 अब यदि आप पीछे छोटी लड़कियां यहां आगे आना चाहती हैं, ठीक आगे आ जाये, यदि आप इतनी बड़ी हो गयी है कि माँ से दूर रह सकती

है। और माँ आपको यहाँ पर आगे लाना चाहती है, तो ठीक है, उससे कहे कि ठीक आगे आये। यह उन माँ के लिए भी है। तो ठीक है, अब।

64 मैं आपको बताता हूं, बच्चों, हमने अभी एक पद को पढ़ा है। क्या आप सब इसे मेरे साथ दुहराना चाहेंगे? क्या आप सब मेरे साथ इस पद को दुहराना चाहेंगे? अब, यह संत मत्ती के 16वें अध्याय और 25वें पद में पाया जाता है, जिसके बारे में हम बात करने जा रहे हैं। अब ये छोटा... हर एक छोटा लड़का और लड़की, आज सुबह, अब मेरे साथ इसे दुहराये: [लड़के और लड़कियां भाई ब्रंहम के बाद दोहराते हैं—सम्पा।] कहे, "संत मत्ती, 16वां अध्याय, 25वां पद।" अब आप मेरे साथ दुहराये: "क्योंकि जो कोई अपना जीवन बचाना चाहे वह उसे खोयेगा; और जो कोई मेरे कारण अपना जीवन खोएगा, वह उसे बचाएगा।" इसे बचायेगा। आइए इसे फिर से कहें: "जो कोई भी मेरे कारण अपना जीवन खोएगा, वह उसे बचाएगा।" अद्भुत है!

65 अब, लड़के और लड़कियां, आप जानते हैं क्या? संसार में बहुत सारी चीजे है जो वास्तव में मूल्यवान है। और उन चीजों में से एक है, यह आज आपके पास है, यह वो प्राण है जो उस शरीर के अंदर है। और यही आपके लिए संसार की सबसे मूल्यवान चीज है। क्या यह सही है, मताये? कहे, "आमीन।" [माताये कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] सबसे मूल्यवान चीज जो आपके पास है वह आपका प्राण है। और अब यदि आप अपने प्राण को बचाते हैं, तो आप इसे खोने जा रहे हैं। और यदि आप अपने प्राण को खो देते हैं, तो आप इसे बचाने जा रहे हैं; यदि आप अपना प्राण यीशु के लिए खो देते हैं, देखो। दूसरे शब्दों में, यदि आप यीशु पर विश्वास करते हैं, तो आप उसके चेले बन जाते हैं। और फिर यदि आप अपना जीवन यीशु को देते हैं, जब आप इस तरह के नौजवान होते हैं, और फिर आप... वह इसे अनंत जीवन के लिए बचाने जा रहा है। लेकिन यदि आप—यदि आप इसे रखना चाहते हैं, तो आप इसे खोने जा रहे हैं; जी हां, आप हार जाएंगे। आप इन दूसरी लड़कियों और लड़कों की तरह व्यवहार करना चाहते हैं जो यहाँ पर है, और बाहर जाकर और जिस तरह से वे करते हैं वैसा हो आप करते है, तब आप—आप—आप इसे खोने जा रहे हैं। लेकिन यदि आप अपना जीवन यीशु को देना चाहते हैं, तो आप इसे अनंतता के लिए और हमेशा के लिए बचाने जा रहे हैं।

66 अब, आपको याद है कि अब, कि यह सारे संसार में सबसे मूल्यवान चीज है, जो आपका छोटा सा प्राण है। और यदि आप इसे बचाते हैं, तो आप इसे खो देंगे; यदि आप इसे यीशु को देते हैं, तो आप इसे बचाते हैं। क्या आप मेरे साथ ऐसा कह सकते हैं? यदि... [लड़के और लड़कियां भाई ब्रंहम के बाद दोहराते हैं—सम्पा।] कहते हैं, "यदि मैं इसे बचाता हूं, तो मैं इसे खो दूंगा; और यदि मैं इसे यीशु को देता हूं, तो मैं इसे बचा लूंगा।" ऐसा ही है! अब आप इसे समझ गये। क्या ऐसा नहीं...

67 सारी माताये जो सोचती है कि यह अच्छा था, कहे, "आमीन।" [माताये कहती है, "आमीन!"—सम्पा।] ओह, यह अच्छी बात है! यह अच्छा है।

68 अब, आप देखिए, वहां एक चीज है जो आप कर सकते हैं। अब, आप आगे बढे। यदि वे इस तरह का व्यवहार करना चाहते हैं, और उनके पास संसार के चाहने वाले... यदि लड़के और लड़कियां वहां जाकर और चीजों को करना चाहते हैं, और कहानियों को सुनाते हैं और ऐसी बातें कहते हैं जो गलत है, और—और धोखा देते है और चोरी करते है, और—और बुरे काम करते है, और स्कूल में नकल करते है, और इत्यादि, आगे बढ़ते हैं; वे खो देते हैं। वे इसे खो देते हैं। लेकिन यदि आप इसे यीशु को देंगे, तो वे ऐसा नहीं करेंगे, और तब यह इसे बचा लेगा। यही है जो आप करना चाहते हैं। क्या ऐसा नहीं है?

69 अब हम अपनी छोटी सी कहानी में आरंभ करने जा रहे हैं। अब, यह हमारी पृष्ठभूमि है, अब आपको यह याद रखे। अब आइये हम अपनी छोटी सी कहानी को आरंभ करते हैं। अब, बुजुर्ग लोगों के लिए, और उन—उन पिताओं और माताओं के लिए, आप भी, अब, सुनना; आप, विशेष रूप से आप जो माता और पिता है। अब बस... और हम आरंभ करेंगे। आप छोटी कहानियों को पसंद करते हैं? क्या आप करते है? ओह, मैं बस उन्हें पसंद करता हूं! विशेष रूप से अब... आपने बहुत सी कहानियां पढ़ी हैं जो कि सत्य नहीं है। लेकिन यह कहानी सच्ची है, पूरी तरह से सत्य है, इसका हर एक वचन। यह परमेश्वर की बाईबल में है, इसलिए इसे सत्य होना ही है, देखो, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है। परमेश्वर का वचन सत्य है।

70 "अब, आप जानते हैं," कहा, "मैं बहुत ही थक गया हूं। मैं—मैं—मैं इतना थक गया हूं कि मर जाऊं।"

71 "तो ठीक है," कहा, "आप सीढ़ियों से ऊपर जाकर और बिस्तर पर क्यों नहीं चले जाते? खाट पर लेट जाओ, वहां ऊपर सोफ़ा है, और बिस्तर पर चले जाओ।"

72 उसने कहा, "लेकिन, ओह, मैं बहुत ही थक गया हूं।" उसने कहा, "ओह, प्रिय, यदि तुमने देखा होता जो मैंने आज देखा है! ओह, मैं... मैं, क्या... मुझे यहाँ तक कुछ खाना भी नहीं खाना चाहता! ओह, यह भयानक है, वह दृश्य जो मैंने आज देखा!"

कहा, "अच्छा, यह क्या था जो आपने देखा? "

73 कहा, "तो ठीक है, मैं तुम्हे बच्चों के सामने नहीं बता सकता, ओह, यह बहुत ही भयानक है! ओह, यह बुरा था!"

"अच्छा, यह क्या था जो आपने देखा? "

74 "खैर, मैं सीढियों से ऊपर जा रहा हूं और थोड़ी देर के लिए लेटा रहूंगा, और फिर—और फिर रात्रि भोज के बाद जब हम बच्चों को बिस्तर पर लिटाते हैं, तब मैं तुम्हें बताऊंगा कि आज क्या हुआ है।"

"अच्छी बात है," उसने कहा।

75 और वह सीढियों से ऊपर चला गया। वह लेट गया। "ओह, बहुत ही थक गया! ओह, प्रभु!" आप जानते हैं कि पिता कैसे करते है जब वो थक जाते है, बस वास्तव में थक जाते हैं!

76 और थोड़ी देर के बाद, छोटी चमकदार आंखों वाली लड़की, वह उस मंजील पर इधर-उधर भागने लगी, और थोड़ा जोर से बात करने लगी। कहा, "श-श-श, श-श-श, ऐसा मत करो। तुम पापा को उठा दोगी। और, ओह, वो बहुत ही थके हुए है यहाँ तक कि वह—वह मरना चाहते है। वह अब और नहीं जीना चाहते। और यदि पिता इतने थके हुए होते हैं, तो, हमें उन्हें थोड़ी देर के लिए सोने देना चाहिए। उन्हें मत जगाओ।" और छोटी सी मरियम, वह वहां जाकर और बैठ जाती है, बिल्कुल शांत होकर।

77 और थोड़ी देर के बाद उसने रात्रि का भोजन पूरी तरह से तैयार कर लिया था, इसलिए वह सीढ़ियों से ऊपर गई और वो—वो उसे बुलाती है, "अम्राम? "

78 और उसने कहा, "हाँ, योकेबेद, में यहीं हूं। मैं नीचे आ रहा हूं।" इसलिए वे सीढ़ियों से नीचे उतर आए, आप जानते हैं, और उन्होंने अच्छी

तरह से रात्रि का भोजन खाया था।

79 सो जब उन्होंने रात का खाना खा लिया, और उस छोटे—छोटे लड़के और छोटी लड़की ने अपना खाना खा लिया था, क्यों, वे... मां ने चीजों को उनसे दूर हटाया और उसने उन्हें पलंग में डाल दिया।

80 और फिर वह कमरे में चली जाती है, वह और उसका पति, और वे बैठ जाते हैं। कहा, "तो ठीक है, अब, यह क्या था जो आपने आज देखा, अम्राम, जिसने आज रात आपको इतना—इतना परेशान कर दिया है, कि आपने जीना भी नहीं चाहा?"

81 "ओह," उसने कहा, "प्रिय, मैं—मैं बस इसे नहीं समझ सकता।" उसने कहा, "मैंने देखा... तो, हम इसे हर दिन देखते हैं, लेकिन आज विशेष रूप से था।" कहा, "ओह, मैंने—मैंने अब तक का सबसे भयानक दृश्य देखा है।" कहा, "बेचारे हमारे लड़के, उनमें से कुछ जो बारह वर्ष से अधिक उम्र के भी नहीं थे, उस बड़ी पुरानी माल ढोने वाली गाड़ी को खींच रहे थे, उस रस्सियों के साथ जो उनके गले में *इस* तरह से लगी हुई थी। और उन बेचारे बच्चों ने इतना खींच लिया था यहाँ तक कि वे और अधिक नहीं खींच सक रहे थे, उस बहुत ही बड़े ढलान पर, वहां उसमें पीछे वे बड़े पत्थर थे, और वे आगे नहीं जा पा रहे थे। और थोड़ी देर के बाद माल ढोने वाली गाड़ी तेज आवाज करने लगी और बहुत ही धीमी गति से चलने लगी, और थोड़ी देर बाद यह रुक गई। रास्ते में एक व्यक्ति आया, ओह, वह एक पागल था! वह गरजने लगा, 'तुम इस माल गाड़ी को क्यों रोक रहे हो?' 'फटका मारा!' उन्हें उन बड़े से सांपों के जैसे कोड़े के साथ, और इसे पीठ की ओर मारता है, और उनकी पीठ से लहू बहने लगता है, और *इस* तरह से नीचे की ओर गिरता है। और वे बेचारे बच्चे बस इस रस्सी पर लटके रहते है और रोने लगते है।" कहा, "ओह, योकेबेद! हम माताये क्या कर सकती हैं?" कहा, "हम परमेश्वर के लोग हैं। परमेश्वर ने हमें आशीषित किया है। हम अब्राहम, इसहाक और याकूब की संतान हैं। और क्यों हमें यहां इन चीजों का गुलाम होना पड़ेगा? ओह, यह तो भयानक है कि किस तरह से वे बेचारे लड़के रो रहे थे। ओह, और मैं प्रार्थना करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं, योकेबेद, और ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि परमेश्वर बस मेरी सुनता ही नहीं। मैं प्रार्थना करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं, और वह ऐसा दिखाई देता है जैसे उसने अपने

कानों को बहरा कर दिया है, वह मेरी बिल्कुल भी नहीं सुनता। वह ऐसा दिखाई पड़ता है कि वह अब और चिंता नहीं करता है।"

82 "अब," उसने कहा, "देखो, अम्राम, यह ऐसा नहीं दिखाई पड़ता जैसे आप अब बोल रहे है। आप एक सच्चे पिता हैं, और आप... यह ऐसा नहीं दिखाई पड़ता जैसे आप अब बोल रहे है, क्योंकि आप हमेशा हमें प्रोत्साहित करते आये हैं, हमें परमेश्वर में विश्वास रखने के लिए कहते हैं।"

83 "ओह, लेकिन, प्रिय, जब मैं बहुत अधिक प्रार्थना करता हूं, और फिर भी परमेश्वर मेरी नहीं सुनता, और ऐसा दिखाई देता है कि यह हर समय और बदतर होता जा रहा है। जितना अधिक मैं प्रार्थना करता हूं, यह उतना ही बदतर होता जाता है।"

84 लेकिन, छोटे लड़के और लड़कियों, क्या परमेश्वर प्रार्थना को सुनता है? [लड़के और लड़कियां कहते हैं, "जी हां।"—सम्पा।] वह प्रार्थना को सुनता है। क्या परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता है? ["जी हां।"] जी हां। क्या वह बहुत जल्दी उत्तर देता है? ना ही हर समय। क्या वो देता है? नहीं। कभी-कभी वह हमें प्रतीक्षा करवाता है। क्या यह सही है? ["जी हां।"] लेकिन, परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता है, क्या वह नहीं देता? और केवल इसलिए कि हर एक चीज गलत हो रही है, यह कोई चिन्ह नहीं है कि हमें प्रार्थना करना छोड़ देना चाहिए। हम बस प्रार्थना करते रहना हैं, जो भी है, क्या हमें नहीं करना है? यह सही है। अब, आपने सही उत्तर को दिया। परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता है। आइए हम सब इसे एक साथ कहें। "परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देता है।" जी हां। कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियाँ जो भी हैं, कुछ भी हो, वह उत्तर देता है। तो ठीक है।

"तो, क्या आप फिर से प्रार्थना करने जा रहे हैं?"

85 "हाँ।" और पिता के पास वहां ऊपर अटारी में एक गुप्त कमरा था जहां वो प्रार्थना करने जाता है। इसलिए वह उस रात्रि वहां पर उठ जाता है, वह एक ओर घुटने को टेकता है, उसने कहा... अब उसने कहा, "योकेबेद, अब तुम जाकर और बिस्तर पर चली जाओ, और तुम और बच्चे। इसलिए, मुझे परेशान ना करना, मैं प्रार्थना करने जा रहा हूं हो सकता है आज रात सारी रात करूंगा।"

86 सो वह अपने घुटनों पर आ जाता है, और वह प्रार्थना करता है और प्रार्थना करता है। मैं उसे उसके हाथों को ऊपर उठाते हुए देखता हूं, और

कहता है, "ओह अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर, अपने लोगों के लिए अपनी प्रतिज्ञा को याद करें! यहां पर हम यहां नीचे मिस्र में हैं, और हम गुलामी के नीचे हैं। और, ओह, हमारे निर्दयी सख्ती से काम लेने वाले वे हमें चीजों को करवाते है—है, और हमें पीटते रहते हैं, और हमारे बेचारे लोगों को नंगा कर दिया जाता है—है, और वे हमें चाबुक से कोड़े मारते हैं। और हम आपके लोग हैं। ओह परमेश्वर, निश्चय ही आप प्रार्थना को सुनेंगे! निश्चय ही आप प्रार्थना का उत्तर देंगे! और मैं प्रार्थना करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं और मैं प्रार्थना करता हूं, और आपसे ऐसा प्रतीत होता है कि आप मुझे उत्तर भी नहीं देते हैं। लेकिन, परमेश्वर, मैं विश्वास करता हूं कि आप परमेश्वर हैं, और आप अंत में प्रार्थना का उत्तर देंगे।" और उसने लगभग सारी रात इसी तरह से प्रार्थना की।

87 और अगली सुबह, लगभग तीन या चार बजे, वह छोटी सी सीढ़ियों से नीचे आता है। और वह वहां पर देखता है, और वहां उसकी प्यारी सी छोटी पत्नी थी, छोटी योकेबेद। वह वहां बिस्तर पर सो रही थी। और छोटा हारून और छोटी मरियम पहले से ही बिस्तर में लेटे हुये थे, इसलिए वे उतनी नींद में थे जितने वे हो सकते थे, और सो रहे थे। तो ठीक है। वह उससे कहता है... उसने कहा, "देर हो रही है, और आप बस... "

88 "हाँ, मैंने सारी रात प्रार्थना की है।" उसकी आंखें आंसुओं से ख़राब हो गयी थी, क्योंकि वह लोगों के लिए रोया था।

89 और उसने कहा, "देखो, अम्राम, आपको इस बात पर ज्यादा जोर नहीं जाना चाहिए।"

90 "अब," उसने कहा, "सुनना, प्रिय। यह अच्छा है। लेकिन अब देखो, तुम्हारे पास यहां पर पालन–पोषण करने के लिए दो बच्चे हैं। और बोझ मेरा है। यदि कोई हमारे बेचारे लोगों के लिए प्रार्थना नहीं करता है, तो उनका क्या होगा? क्या होगा यदि किसी के पास हृदय में लोग नहीं है? किसी को तो प्रार्थना करनी है।"

"तो ठीक है," वह कहती है, "अम्राम, सारा बोझ आपका नहीं है।"

91 "अच्छा, ऐसा प्रतीत होता है। और कुछ भी हो, जो भी है, मैं हर समय प्रार्थना करूंगा!"

92 उस दिन वो काम पर जाता है। और हर दिन वह आकर और चला जाता है, और उसी पुराने कठोर परिश्रम को करता है। और उसके पास

एक कठिन काम था। उसे करना होता था... वे बड़े–बड़े सांचों में इंटो का मसाला डालते, और उसे वहां उस बड़ी भट्टी के पास खड़ा रहना पड़ता था। जब वे इसे खोलते, ओह, प्रभु, यह लगभग उसकी खाल को जला देता, इतना भयानक गर्म! वह उन ईटों को वहां पीछे धकेलता और उन्हें तपाता, उन्हें बाहर लाता; जिससे बड़े विशाल मार्ग, और बड़ी–बड़ी ऊंची मीनारें, देवताओ की मूर्ति और हर एक चीज को बनाते। और यह सच्चा मसीही मनुष्य वहां इस प्रकार से शत्रु के लिए काम को करता है। लेकिन वह एक गुलाम था, वह बंधुवाई में था। उसे यह करना पड़ता था।

93 हर रात्रि जब वह घर पर आता, तो वह प्रार्थना करता। और फिर से सीढियों से ऊपर जाता, और प्रार्थना करता और प्रार्थना करता और प्रार्थना करता, और वापस नीचे आता। कुछ भी सही नहीं होता; खराब होता जा रहा था।

94 और एक दिन वहां काम पर उसने एक अफवाह को सुना। कहा, "यह क्या है? यह क्या है? मुझे बताओ!" किसी ने दूसरे जन से फुसफुसाया। थोड़ी देर के बाद, इससे पहले कि दिन ढलता, यह सारे देश भर में चला गया था, जो होने जा रहा था।

95 यह क्या था? उस रात एक विचार सभा की बैठक होने जा रही थी। पुराना राजा फिरौन, वो पुराना दुष्ट राजा उसके सारे लोगों को एक साथ बुलाने जा रहा था, और एक और बड़ी सभा को करने जा रहा था। सो उनके पास वहां पर इस बड़ी विचार सभा की बैठक थी।

96 तो उस रात वह अंदर गया, ओह, वह बस पूरी तरह से उदास था। वह अंदर जाता है, और उसकी पत्नी कहती है, "अम्राम, प्रिय," वह उससे दरवाजे पर मिली और उसे चूमा, और कहा, "मैंने बहुत ही अच्छा और गर्म भोजन बनाया है। लेकिन," कहा, "प्रिय, आप बहुत मुरझाये हुए से दिखाई पड़ रहे हो। क्या बात है? "

97 कहा, "ओह, योकेबेद, यदि तुम केवल यह जान जाओगी कि क्या हो रहा है! ओह, यह पहले से भी बदतर है!"

"क्या? "

98 "श–श, इसे नहीं बता सकता, बच्चे आसपास है। रात्रि भोज के बाद तक प्रतीक्षा करना, और मैं तुम्हे इसके बारे में बताऊंगा।"

“ठीक है।”

99 सो, उसने भोजन को तैयार किया था। और रात्रि का भोजन किया, और सारे बालकों को लेकर और उन्हें बिस्तर पर लिटा दिया।

100 सो, वे अंदर चले गए। उसने कहा, “योकेबेद, मैं तुम्हें कुछ बताना चाहता हूं।” कहा, “एक सबसे भयानक बात घटित हो रही है।”

“क्या?”

101 कहा, “आज रात्रि उनकी एक और विचार सभा होने जा रही है। और जब वे ऐसा करते हैं, तो वे हम लोगों पर कुछ और बोझ डालने जा रहे हैं।”

102 तो, फिर, आओ हम राजा के महल में जाये। राजा फिरौन उन सब को वहां बाहर बुलाता है, और कहा, “तो ठीक है, तुम सारे सेनापति! तुम्हारे साथ यहाँ क्या मामला है? मैं यहां पर अपने आदेश को देता हूं! यह लोग हर समय बढ़ते ही जा रहे हैं! क्या बात है? क्या हम इसे नहीं रोक सकते?” कहा, “किसी दिन यहां दूसरी सेना खड़ी हो जायेगी। और हमारे ये सारे शत्रु, जो वहां गोशेन से वहां पर है, ये इस्राएली लोग, अपने आप को इस सेना के साथ जोड़ देंगे, और वे हम पर विजय को पायेंगे। और हमारी बड़ी अर्थव्यवस्था टूट जाएगी, हमारा बड़ा राज्य नष्ट हो जाएगा। वे हम पर कब्ज़ा कर लेंगे। तुम्हारे साथ क्या मामला है? कोई तो बोलो! क्या तुम कुछ भी कहना नहीं जानते?” ओह, वह बुरा था, और बहुत ही बुरा था। सारे जनरल, कांप रहे थे।

उनमें से एक उठ खड़ा हुआ, और कहा, “राजा फिरौन लंबे समय तक जीवित रहे।”

“तो ठीक है, कहो कि तुम क्या कहने जा रहे हो!”

103 कहा, “राजा लंबे समय तक जीवित रहे। महामहिम, श्रीमान,” उसने कहा, “मैं चाहता हूं कि आप लोगों के ऊपर और अधिक बोझ को डालें।”

104 “तुम मुर्ख हो! तुमने पहले से ही लोगों पर बहुत सा बोझ डाला हैं, और फिर भी वे बढ़ते जा रहे हैं। क्यों, आप, यदि तुम्हारे पास यही सारे विचार हैं, तो बस इसे अपने तक ही सीमित रखो!” ओह, वह कठोर था।

105 थोड़ी देर बाद एक उठा, उसके चेहरे पर बड़ी मुस्कान थी, जैसे कि शैतान। और उसने कहा, “राजा फिरौन लंबे समय तक जीवित रहे।” कहा, “मेरे पास विचार है।”

कहा, “अच्छा, बोलो! वहां इस तरह से मत खड़े रहो!”

106 उसने कहा, “मैं आपको बताऊंगा कि हम क्या कर सकते हैं।” कहा, “आप जानते हैं, ये लोग बहुत तेजी से बढ़ते जा रहे हैं।”

107 “हाँ, यह सही है!” कहा, “उनमें से कुछ ऐसे है, उनके कुछ लोगों के पास यहां तक कि चौदह बच्चे भी हैं, कभी तो उनके बीस बच्चे होते हैं। और हमारे लोगों के पास शायद एक भी नहीं है।” कहा, “वे इतनी तेजी से बढ़ रहे हैं, वे बस पूरे देश तक फैलते जा रहे हैं।”

108 देखो, परमेश्वर कुछ तो कर रहा था। देखो, परमेश्वर हमेशा ही शैतान की आंखों के ऊपर धुल झोंकता है, आप देखते हैं। समझे? वह जानता है कि वह क्या कर रहा है। देखा? और ये सारी स्त्रियां बस बहुत सारे बच्चे है।

109 “क्यों,” उसने कहा, “राजा लंबे समय तक जीवित रहे। तो, मैं आपको बताऊंगा क्या। हर बार एक स्त्री एक छोटे लड़के को जन्म देती है... यहां देश में जाकर और कुछ महिलाओं को ले जो नहीं... वे जो मां नहीं है। आप देखिए, वे स्त्रियां जिनके कभी बच्चे नहीं हुए, वे स्त्रियां जो बच्चे नहीं चाहती और बच्चों से प्रेम नहीं करती, पुरानी लंबी नाक वाली राक्षसी। देखो, नाक लंबी हो, ऊँची! पुरानी लंबी उंगलियां, रंगे हुए चेहरे, और उन्हें ले। वे नहीं जानती कि मां का प्रेम क्या होता है। तो फिर जब एक छोटा सा लड़का जन्म ले रहा होता है, इसलिए, उन्हें जाकर और उस छोटे से बालक लड़के को लेने दो, और उसे बाहर लाकर और उसके सिर को दीवार से पटककर, उसे घर में वापस इस तरह से मां के पास फेंकने दो। उसे एक बड़े से कुएं में फेंक दो। ओह, इससे अच्छा है, उसे बाहर ले जाकर और उसके हाथ और पैर को बांध दो, और उसे बाहर फेंक दो, और मगरमच्छों को मोटा करो। इससे छुटकारा पाने का यही तरीका है। तब वे बहुत अधिक नहीं बढ़ेंगे, क्योंकि वहां कोई मनुष्य नहीं बचेगा; सारे छोटे बालकों को मार डालेंगे।”

110 “ओह,” फिरौन कहता है, “यह अच्छी बात है! यह एक अच्छा विचार है!” देखा शैतान क्या है? वह दुष्ट है, क्या वो नहीं है? कहा, “तो यही वो चीज है जो करना है! जाओ... तुम्हे मिल गया... अब, क्योंकि तुम्हारे पास विचार था, मैं अब तुम्हें इसका अध्यक्ष बनाऊंगा। तुम बाहर जाकर और उन सभी महिलाओं को लो, जिनके विषय में तुम जानते हैं, जो—जो कभी भी माताएं नहीं रही है, और वे बच्चों से प्रेम नहीं करती है। और वे... ” वे...

111 आप देखिए, एक बच्चे से प्रेम करने के लिए एक मां होने की आवश्यकता होती है। आपको याद है कि माँ ने आपसे कितना प्रेम किया है? तो ठीक है, अब देखो, माँ छोटे बच्चों से प्रेम करती है।

112 लेकिन उन्हें किसी को तो लेना था कि—कि जिनके पास नहीं थी... जिसकी कोई संतान नहीं थी, कोई संतान को नहीं चाहती थी, केवल—केवल—केवल वास्तव में पुरानी सी बुरी स्त्रियां। और कहा, "उन्हें जांच-पड़ताल करने वाला बनाओ। और जब तुम उन्हें जांच-पड़ताल करने वाल बनाते हो, और उन्हें आदेश दो कि वे किसी भी घर में जा सकती हैं जहाँ भी वे चाहे, और हर एक छोटे बच्चे को बाहर निकालकर और उसके सिर को दीवार से पटककर, और इसे मगरमच्छों को खाने के लिए दे दो। हर एक छोटा बालक!" ओह, कितना क्रूर! फिर आप जानते हैं कि उन्होंने क्या किया?

"तो ठीक है, यह अच्छा है!"

113 फिर अगले दिन जब अम्राम वहां पर काम कर रहा था, उसने सुना कि आदेश को जारी कर दिया गया था।

114 ओह, वह घर जाता है। उसने कहा, "ओह, योकेबेद! ओह, प्रिय, मुझे तुम्हें कुछ बताने दो। तुम जानती हो कि वह आदेश क्या था, जो जारी किया गया? कि सारे छोटे बालकों को मार डाले।" और उसने पत्नी को बताया। कहा, "ओह, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।" वह फिर से प्रार्थना करने के लिए सीढियों से ऊपर चला गया। उस रात उसने ऐसी प्रार्थना की जैसे उसने पहले कभी नहीं की थी।

115 क्या हमें प्रार्थना करते रहना चाहिए? ओह, प्रार्थना करते रहो! क्या यह सही है? बस प्रार्थना करते रहे, कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या हो रहा है। प्रार्थना करते रहो!

116 अब, और पहली बात जो आप जानते हैं, उसने सारी रात प्रार्थना की, "ओह परमेश्वर, दया करे! सहायता करे, परमेश्वर! हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमारी किसी तरह से सहायता करेंगे।" वापस वो नीचे आया, लगभग दिन के उजाले के आसपास।

117 दिन-ब-दिन, और, ओह, देश भर में क्या ही शोर हो रहा है! हर दिन वे माताओं को चिल्लाते हुए सुन रहे थे, ऊपर और नीचे सड़कों पर। वे उनके छोटे से बच्चो को उनकी बाहों से छिन लेते थे, उनके छोटे, आकर्षक छोटे

लकड़े बच्चों को। वे पुरानी सी राक्षसी वहां अंदर जाती और, उनके छोटे से पैरो को लेती, और उन्हें दीवार से जोर से पटकती और उन्हें मार देती, और उन्हें मगरमच्छों के सामने फेंक देती। बेचारी मां अपने घुटनों पर बैठ जाती, और वह रोती, “ओह, मेरे बच्चे को मत लो! मेरे बच्चे को मत लो!” और, ओह, उनके पास कैसा समय था!

118 आप जानते हैं कि मां किस तरह से छोटे बच्चे से प्रेम करती है, और कैसे वो उन्हें उनकी ठुड्डी पर थपथपाती है। याद है कि कैसे मां आपको लेकर और—और आपको नहलाती, और आपको चूमती, और—और—और कहती कि तुम कितने प्यारे हो। और किस तरह से वह तुम्हे रात में बिस्तर पर सुलाती है। और, ओह, यदि—यदि आप... एक छोटा सा द्वार खुला होगा, छोटा सा हवा का झोंखा उसमें से होकर आता है, कुछ इस तरह से, ओह, प्रभु, वह बहुत तेजी से दौडकर और दरवाजा बंद कर देती है, छोटे बच्चे को ढांक देती, और, आप जानते हैं, वो इसे उठा लेती। उसने आपसे प्रेम किया। देखा? उसने आपसे प्रेम किया। ओह, वह उस बेचारी छोटी चीज से प्रेम करती थी जो परमेश्वर ने उसे दी थी, जो कि असहाय थी और यह स्वयं की सहायता नहीं कर सकती थी, सो वह उस छोटे बालक से प्रेम करती थी। और उसने बस अपने छोटे बच्चों को चूमा और उनके साथ खेलने लगी, क्योंकि वह एक सच्ची मां थी। देखा?

119 लेकिन ये पुरानी स्त्रियां जो बच्चों को मार डालती हैं, वे नहीं जानती कि माँ का प्रेम क्या है। वे माताएं नहीं थीं। वे जो कुछ भी सोचती, उनके पास बस उनके दिमाग में बहुत ही अच्छा समय था, संसार की चीजें, सो वे अंदर जाकर और उन छोटे बच्चों को मार डालती। आप इस बात को समझने के लिए बहुत छोटे हैं, लेकिन ऐसा अभी भी चल रहा है। यह सही है। अब आप व्यस्क लोग जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। यह ठीक बात है, यह बहुत अधिक है! “ओह,” आप कहते हैं, “मैं नहीं लूंगा... ” लेकिन गर्भपात का मामला वही चीज है। तो ठीक है, लेकिन आप देखते हैं कि वे नहीं जानते कि मां का प्रेम क्या होता है। अब आप समझते हैं कि मेरा क्या मतलब है जब मैं कहता हूं “सच्ची माताएं”! यह सही है। कुछ भिन्न नहीं; वही शैतान! तो वहां, फिर, वे... सालाना उन हजारों गुना हजारों गुना हजारों के बारे में बस सोचे, उतना ही बुरा जितना मिस्र में था, या उससे भी बदतर।

120 और वहां, तब, वे अंदर आती, उनमें मां का प्रेम नहीं था, इसलिए वे उन छोटे बच्चों को लेकर और उन्हें मार डालती। ओह, यह बद से बदतर होता चला जा रहा था। और एक दिन एक और अफवाह आती है, वे एक और बैठक को करने जा रहे हैं।

121 फिरौन ने उसके सारे सलाहकारो को बुलवा लिया, वे, वे सारे एकसाथ आये, वे वहां पर पहुंचे: कहा, "तो ठीक है, वे अब भी बढ़ रहे हैं! अब हम इसके बारे में क्या करें? "

122 यह वही पुराना धूर्त, चालाक शैतान की शक्ल वाला व्यक्ति, उठ खड़ा हुआ। उसने कहा, "राजा फिरौन लंबे समय तक जीवित रहे। मेरे पास विचार है। देखो, आपके पास काम करने वाला व्यक्ति है। आप उन्हें ईंटें डलवाने को लगाते हैं, प्रतिदिन बहुत सारी, उन्हें भूसे में से बनवाते हैं। आपने उन—उन छोटे बच्चों और इत्यादि को मार डाला है, लेकिन वे अब भी बढ़ रहे हैं। वो चीज जो आपको करनी चाहिए, वो है महिलाओं को भी काम पर लगा दे। यदि आप महिलाओं को काम पर लगाते हैं, तो वे नहीं... " अब, यह एक महिला का स्थान नहीं है। नहीं। इसलिए उन्होंने कहा, "लेकिन आप महिलाओं को काम पर रखते हैं, और उन्हें वहां पर रखते हैं, और उन्हें भी ईंट को बनाने दो। और जब वे घर पर आती हैं तो वे बहुत थक जायेंगी, वे—वे अपने पति के लिए भोज को नहीं पका सकती है, वे एक अच्छी माँ नहीं बन सकती है, देखो। और इसलिए यदि वे काम करने जाती हैं और इसी तरह से जाती हैं, तो वे—वे इसे नहीं कर पायेंगी। इसलिए, आप उन्हें भी काम में लगा दे।"

123 "यह अच्छा है! ओह, तुम एक बुद्धिमान व्यक्ति हो।" इसलिए वह सारी स्त्रियों को काम पर लगा देता है।

124 और यहाँ बेचारा बूढ़ा अम्राम आता है, उस रात को आता है, कहा, "ओह, योकेबेद, मैं नहीं जानता कि हम क्या करेंगे। अब तो वे सारी स्त्रियों को काम पर लगाने जा रहे हैं। मैं—मैं तुम्हें बताता हूं, ओह, मैं नहीं जानता कि क्या करना है! हम—हम—हम बस... हम गुलाम हैं, और हम बदतर और बदतर होते जा रहे हैं। मैं—मैं इसका पूर्वानुमान लगाता हूं: यदि परमेश्वर कभी हमारे लिए कुछ भी करता है, तो यह हमारे मरने के बाद होगा।"

125 अब, परमेश्वर इस प्रकार से प्रतीक्षा नहीं करता, क्या वह करता है?

नहीं। परमेश्वर कभी–कभी हमारी ओर देखता रहता है, क्या वह नहीं देखता? तो ठीक है।

126 तो फिर उस रात, उसने कहा, "मैं ऊपर जाकर और प्रार्थना करूंगा जैसे मैंने पहले कभी प्रार्थना नहीं की!"

127 अब, प्रार्थना करने का यही तरीका है, क्या ऐसा नहीं है? प्रार्थना करें जैसे आपने पहले कभी प्रार्थना नहीं की, वास्तव में उस विषय पर आ जाए! देखो, यदि आप बस ऐसे ही ऊपर जाकर और कहते हैं, "प्रभु, *फलां–और–फलां–और–फलां* को आशीष देना," परमेश्वर इस पर अधिक रुचि नहीं—नहीं रखता है। लेकिन जब आप वास्तव में मुख्य विषय पर आते हैं! जब आप छोटे लड़के और लड़कियां प्रार्थना करते हैं, तो विषय में आ जाये! क्या आप विद्यालय में ऐसा करते हैं? क्या आप—आप परमेश्वर से विद्यालय में आपकी सहायता करने के लिए कहते हैं? जब—जब आप स्कूल जाने वाले होते हैं, और आप बहुत अच्छे क्षेणी के अंको को नहीं लाते हैं, तो आप अंदर जाकर और कहते हैं, "परमेश्वर, मैं—मैं चाहता हूं कि आप मेरी सहायता करें।"

128 क्या आप प्रार्थना करते हैं? कितने छोटे लड़के और लड़कियां प्रार्थना करते हैं? आइए आपके हाथों को देखें। ओह, यह अच्छी बात है। अब, यह अच्छा है। क्या आपके पास एक गुप्त स्थान है जहाँ आप प्रार्थना करने जाते हैं, जहाँ मम्मी और पापा आपको देख भी नहीं पाते हैं? क्या आप इस प्रकार से प्रार्थना करते हैं? आप—आप इस प्रकार से प्रार्थना नहीं करते? एक छोटा सा स्थान हो, वहां पर जाकर और प्रार्थना करे, और आपकी छोटी सी प्रार्थना को कहे। आप इसे हर रात सोने से पहले कहते हैं? जब आप प्रात: उठते हैं, और इत्यादि? ओह, यह अच्छी बात है। कितने अन्य छोटे लड़के और लड़कियां है (अपने हाथ ऊपर उठाते हैं) जो प्रार्थना करते हैं? दूर सारे इमारत में। ओह, क्या यह अच्छी बात नहीं है? अच्छा, अब, यह अच्छा है। यह दर्शाता है कि आपके पास एक वास्तविक माता और पिता है जो आपको इन चीजों को करना सिखाते है। अब, अब जब आप वास्तव में आवश्यकता में होते हैं, तो अच्छा होगा कि आप ईमानदारी से प्रार्थना करें। क्या आपने नहीं किया?

129 सो, छोटा अम्राम, वह सीढियों से ऊपर जाता है। ओह, प्रभु! उसने कुछ भी रात्रि का भोज नहीं खाना चाहा। उसने कहा, "यह बहुत बुरा है।

प्रभु!”

“ओह,” उसने कहा, “पिताजी, आपको खाना अवश्य ही खाना चाहिए।”

“बस मैं इसे नहीं खा सकता, योकेबेद। मैं बस इसे नहीं खा सकता। मैं—मैं… ”

130 “ओह,” कहा, “लेकिन आपका वजन कम होता जा रहा है, और आप परेशान हो गये हैं, और आपका चेहरा मुरझा गया है। आप अपने भोजन और चीजों को उल्टी कर रहे हो।”

131 “ओह, मैं नहीं जानता कि क्या करना है! लेकिन,” उसने कहा, “प्रिय, यदि कोई भी लोगों का बोझ ह्रदय से नहीं लेता है, यदि कोई लोगों के लिए प्रार्थना नहीं करता है, तो हम क्या करेंगे? हम बदतर होते जा रहे हैं। निश्चय ही, किसी समय परमेश्वर सुनेगा!”

132 जी हां, यह सही है। यह सही है। परमेश्वर सुनेगा। आप प्रार्थना में लग जाए और बस वहीं पर बने रहे!

133 ओह, इस बार वह ऊपर अलग तरह से जाता है। जब वह इस बार ऊपर जाता है, वह घुटने टेकता है, वह अपने हाथों को ऊपर हवा में उठाये रखता है, चिल्लाता है, “परमेश्वर, मैं अब आपसे बात कर रहा हूं!” आमीन। मुख्य विषय पर जाता है! “परमेश्वर, आपके पास कान है, और आप सुन सकते है। आपके पास आंखें हैं, और आप देख सकते हैं। आपके पास एक स्मृति है; आप अपने वचन को जानते हैं। आप अपनी प्रतिज्ञा को जानते हैं। मैं आपसे विनंती करता हूं, परमेश्वर, यहां नीचे की ओर देखें, आप अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर हैं, कि आपके लोग संकट में हैं, और वे मर रहे हैं। हमारे लिए कुछ करे, परमेश्वर! हमें आपकी तुरंत ही आवश्यकता है! हमें बस आपकी आवश्यकता है, या तो हम नाश हो जाएंगे। हमारे पास आपका होना आवश्यक है। हमारे पास बस होना है, यदि हमें जीना हैं।” यही है जब आप वास्तव में प्रार्थना करते हैं। ओह, उसने प्रार्थना की!

134 आप जानते हैं, कभी–कभी लोग जब वे प्रार्थना करते हैं, वे थक जाते हैं। माता और पिता, क्या वे नहीं थकते? ओह, बहुत थक जाते है! भाई ब्रंहम कभी–कभी इतने थक जाते हैं कि मैं लगभग बेहोश सा हो जाता हूं जब मैं लंबे समय तक प्रार्थना करने जाता हूं; बस मूर्छित सा हो जाता हूं,

कुछ दिन तक बिना खाए चले जाता हूं, और इत्यादि; और प्रार्थना करता हूं और प्रार्थना करता हूं और प्रार्थना करता हूं, और प्रचार करता हूं। और मैं बस एक ऐसे स्थान पर पहुंच जाता हूं, मैं लगभग बेहोश होने लगता हूं। और कभी–कभी लोग उस तरह से हो जाते हैं। यह हार मानने का समय नहीं है। जारी रखें! परमेश्वर उत्तर देगा! [भाई ब्रंहम पुलपिट पर तीन बार खटखटाते हैं—सम्पा।] जी हां, श्रीमान। पकडे रहे! जी हां, श्रीमान।

135 सो वो उन छोटी सी, पुरानी जर्जर सी़ढियों से ऊपर जाता है। और मैं योकेबेद को आते हुए देख सकता हूं, और कहती है, "ओह, अम्राम, नहीं। प्रिय, मैं—मैं विश्वास करती हूं... "

136 "अब, योकेबेद, देखो, तुम एक भली, प्यारी सी... " वह सुंदर, प्यारी छोटी सी माँ थी। और उसने उसके गाल पर चूमा, आप जानते हैं, और उसे *इस* तरह से थपथपाया। कहा, "अब, माँ, तुम वापस जाओ और हारून और—और छोटी मरियम को बिस्तर पर लिटा दो। और मैं ऊपर प्रार्थना करने जा रहा हूं। और अब, यदि तुम मुझे रोते हुए सुनो, तो ऊपर मत आ जाना।"

137 "तो ठीक है, लेकिन, अम्राम, प्रिय, आप क्या करने जा रहे हो? आप तो अत्यन्त थक चुके हो।"

138 "हां, लेकिन मेरे—मेरे हृदय पर लोगों का बोझ है। मुझे इसके बारे में कुछ तो करना है। मुझे अपने घुटनों पर बने रहना है। और जिससे कि सारे लोग... " उसने कहा, "आज, केवल आज, वहां ईंट की पहाड़ी पर, मैं वहां नीचे था, यही कहता रहा, 'खैर, निश्चय ही, परमेश्वर सुनेगा!' और एक बड़ा बूढ़ा व्यक्ति आया, अपने कमर पर हाथ रखा, और कहा, 'वह कब सुनेगा? वह कब सुनेगा? ' देखा कि कैसे लोग यहां तक कड़वे होते जा रहे हैं? वे परमेश्वर के विरोध में हो रहे हैं, क्योंकि वे प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना करते हैं और प्रार्थना करते हैं, और कुछ भी नहीं होता। और यह एक प्रार्थना करता है और प्रार्थना करता है और प्रार्थना करता है, और कुछ भी नहीं होता। और सारे याजक कहते हैं, 'अद्भुत कार्य के दिन बीत गए, और केवल एक चीज जो हम कर सकते हैं, बस सीधे इन पुराने सख्ती से काम करवाने वालों के पास झुक जाये, जो मूर्तिपूजकों की आराधना करते हैं, मतलब मूर्तिपूजक देवताओ की, और आदि–आदि। और हम क्या कर सकते हैं? '" लेकिन उसने कहा, "लेकिन मैं यहोवा में विश्वास करता हूं!

आमीन! मैं विश्वास करता हूं कि वह अब भी प्रार्थना का उत्तर देता है!"

139 क्या आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन!"—सम्पा।] आप इसका विश्वास करते हैं? आमीन! आप सब जो यह विश्वास करते हैं, कहे, "आमीन।" ["आमीन।"] अब भी प्रार्थना का उत्तर देता है! तो ठीक है।

140 छोटा पुराना कमजोर शरीर, उसका बहुत वजन कम हो गया। जर्जर सीढियों पर वह जाता है, वहां पर जाता है और घुटने टेकता है। उसने कहा, "हे यहोवा!" ओह, उसने प्रार्थना की जैसे उसने पहले कभी प्रार्थना नहीं की थी! उसने कहा, "यहोवा, यहां पर देखिए! आप एक सच्चे परमेश्वर है। हम विश्वास करते हैं कि आपके पास कान हैं। हम विश्वास करते हैं कि आपके पास आंखें हैं। और आप सारी बातों को जानते हैं। और हम विश्वास करते हैं कि आप इब्रानियों के परमेश्वर हैं, और हम प्रतिज्ञा के लोग हैं। हम विश्वास करते हैं कि आप अपने वचन को पूरा करते हैं।" कहा, "इन मूर्तिपूजको को यहां पर देखो, कैसे वे हमारे कम दाम देकर परिश्रम का काम ले रहे हैं, और बड़े-बड़े विशाल रास्ते और मूर्तियाँ, और हर एक चीज बना रहे है। आप, यहोवा, क्या आप स्वर्ग में बैठकर और मूर्तिपूजको को आप पर शासन करने देंगे? मैं विश्वास नहीं करता कि आप ऐसा करेंगे।" आमीन!

141 मैं अब भी विश्वास नहीं करता कि वह ऐसा करेगा! आमीन! जब शैतान घुस आता है, तब भी परमेश्वर, परमेश्वर ही होता है! ठीक है! वह इन शैतानों को ऐसा करने की अनुमति नहीं देगा। मैं आज विश्वास करता हूं, कि जब फैशन और बेहूदा बातें, और यह सारी बेकार की बातें चल रही है; फिर भी, परमेश्वर अब भी राज्य करता है और वह अब भी परमेश्वर है! सही है! हमें जिस बात की आवश्यकता है कि अब्राम जैसे कोई तो हो, जिनके हृदय पर बोझ है, जो वहां पर बने रहें और इसमें से होकर प्रार्थना करें, जब तक कि उस ओर स्वर्ग खुल नहीं जाता, परमेश्वर नीचे उतरकर और प्रार्थना का उत्तर नही देता है। आमीन।

142 "अब यहाँ पर देखो," उसने कहा, "परमेश्वर, क्या आप मूर्तिपूजको को अपने लोगों का इस तरह से मज़ाक उड़ाने देंगे? सप्ताह और महीने और वर्ष बीत चुके हैं। हम आंसुओं के साथ निरंतर प्रार्थना करते हैं, लेकिन... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] हे परमेश्वर, क्या आप ऐसी चीज की

अनुमति देंगे? ”

143 मैं आज सोचता हूं, कि जब सैकड़ों छोटे–छोटे बच्चों को नदियों और तालाबों में फेंक दिया जाता है, और जीने की अनुमति नहीं है, और गर्भपात के मामले और हर चीज जो की जाती है; हे यहोवा, क्या आप इस तरह की बातों को आगे बढ़ने की अनुमति देंगे? [भाई ब्रन्हम ने पुलपिट को छह बार खटखटाया—सम्पा।] आज, जब व्हिस्की और बीयर, और रात्रि का जीवन, और हर चीज चिल्ला रही है। और यहां तक कि पुलपीट इतना कमजोर हो चूका है कि वे इसके बारे में कुछ भी कहने से डरते हैं। यहोवा, क्या आप ऐसी बेहूदा बातों को जारी रखने की अनुमति देंगे? वह एक दिन उत्तर देगा। ओह, उसका क्रोध भयानक होता है जब यह आता है। जी हां, श्रीमान। महिलाएं बाहर जा रही हैं और अपने बच्चे की आंख को सिगरेट की ट्रे बना रही है, ताकि राख को अंदर डाले, और सब कुछ। और लोग उनके छोटे बच्चों को बीयर के ठिकानों में ले जाते हैं, छोटी लड़कियां और लड़के छह या आठ वर्ष की उम्र के वहां बैठे होते है, शराब पीते है, और इस तरह की चीजें करते है। और राष्ट्र इसे वैध बना रहा है, और कहता है, “इसमें कोई बात नहीं।” ओह, प्रभु! सोचिये क्या यहोवा इसे नहीं देखता? जब, वे यहाँ तक उन लोगों का भी मज़ाक उड़ा रहे हैं जो वास्तव में परमेश्वर के साथ सही हैं। ये सारी बातें जारी है, मजाक उड़ाया जा रहा है। रुके रहो, बस थामे रहो! यहोवा उत्तर देगा। चिंता मत करो। तो ठीक है।

144 हम थोड़ा और आगे बढ़ते हैं। हम उसे वहां प्रार्थना करते हुए पाते हैं। और वह बस इतना थक जाता है, वह लेट जाता है। वो बस तब तक प्रार्थना करता है जब तक कि वह फर्श पर गिर न गया। वह अब और आगे नहीं जा सका, और उसने थोड़ी सी झपकी ली। वह जाग उठा। “क्या बात है? वहां पर देखो! वह उजियाला कहां से आ रहा है? ओह, देखो, वहां कोने में ठहरा हुआ है।” वहां एक दूत खड़ा हुआ था, उसकी तलवार वहां उसके बगल में लटक रही थी। ओह, उसने फिर से देखा, और उसने अपनी आंखों को रगड़ा। उसने अपने घुटने को सीधा किया, उसने कहा, “प्रभु, ओह, ओह, आप मुझसे क्या—क्या चाहते हैं? ”

145 उसने कहा, “अम्राम, मैं परमेश्वर का दूत हूं। मुझे स्वर्ग से भेजा गया है, तुम्हें यह बताने के लिए कि परमेश्वर ने तुम्हारी प्रार्थना को सुना है। और मैं तुम्हे यह बताने आया हूं कि वह एक छुड़ाने वाले को भेजने जा रहा

है। उसे अपनी सारी प्रतिज्ञाये याद है।" मैं अब दूत को देखता हूं; उसकी ओर देखें, वह इस तलवार को निकाल रहा है। वह इसे उत्तर दिशा की ओर संकेत करता है। अब्राम ने देखा। उसने कहा, "बस इस तलवार की नोक प्रतिज्ञा के देश की ओर संकेत करती है। और मैंने अब्राहम, इसहाक, और याकूब, तुम्हारे पिताओं से प्रतिज्ञा की है, कि तुम लोग उस देश के अधिकारी होगे। और मैंने लोगों की कराह को सुना है, मैंने बच्चों की पुकार सुनी है, और मैं नीचे आ गया हूं। और मैं चाहता हूं कि तुम जान लो कि तुम इसमें एक महान भूमिका निभाने जा रहे हैं, अब्राम, क्योंकि तुम प्रार्थना में विश्वासयोग्य थे। तुम अपने घर में विश्वासयोग्य थे। और अगले वर्ष लगभग इसी समय, योकेबेद, तुम्हारी प्यारी छोटी पत्नी, एक छोटे से लड़के बालक को गले लगाने जा रही है। और वह छोटा सा लड़का एक छुड़ाने वाला होगा।" महिमा हो!

146 उसने कहा, "ओह, हां। हां। ओह, हाँ। हां। ओह, वह बहुत ही सुंदर है।" उसने देखा, और दूत ऊपर की ओर उठने लगा। ऐसा दिखाई दिया कि सारा आकाश खुल गया है, और वह कमरे से बाहर चला गया। अब्राम कुछ देर रुका रहा। उसने कहा, "ओह, मैं अपने आप को नहीं संभाल पा रहा हूं।"

147 वह तुरंत ही सीढ़ियों से नीचे गया, और कहा, "योकेबेद! योकेबेद, जल्दी से आओ!"

कहा, "जी हां, क्या बात है, प्रिय? "

148 कहा, "बैठ जाओ!" और चांद खिड़की पर चमक रहा था... वह सुंदर दिख रहा था। और उसने कहा, "मैंने अभी–अभी परमेश्वर के एक दूत को देखा है, और उसने मुझे ये सारी बातें बताई हैं।"

"ओह, वह कैसा दिखाई देता था? " माँ ने कहा। "वह कैसा दिखता था? "

149 कहा, "ओह, वह सुंदर था। उसने उज्ज्ञल वस्त्र पहने हुए थे। उसकी आंखें चमक रही थी। और उसके हाथ में तलवार थी, और उसने उत्तर की ओर संकेत किया।" यही वो दिशा है, आप जानते हैं, प्रतिज्ञा का देश मिस्र से उस ओर स्थापित है; वहां ऊपर की ओर, फिलिस्तीन। उसने कहा, "उसने उत्तर की ओर संकेत किया। और उसने कहा कि हमारे पास अगले वर्ष लगभग इसी समय एक बालक होने जा रहा है, और यह छोटा बालक

आगे आकर और एक जयवंत बनेगा, और अपने लोगों को छुड़ाने जा रहा है। ओह, हाल्लेलुय्या, योकेबेद!"

150 और उसने ध्यान दिया कि वह श्वेत थी। उसका चेहरा, उसकी आंखें घूर रही थी, उसकी बड़ी–बड़ी आंखें देख रही थी। "योकेबेद, क्या बात है? "

"ओह, अम्राम! नहीं, नहीं, नहीं! हमारे पास एक लड़का है? "

"हाँ।"

151 "ओह, आप... ऐसा नहीं हो सकता। आप जानते हैं क्या? ओह, काश आपके पास यह दर्शन कभी नहीं होता। आप जानते हैं क्या बात है, फिरौन, वह सारे छोटे बच्चों को मार रहा है।"

152 "हां। लेकिन, तुम जानती हो, यदि परमेश्वर हमें यह बालक देता है, तो परमेश्वर बालक की चिंता करेगा। आमीन! परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की। परमेश्वर उसकी चिंता करेगा।"

153 तो, अगले दिन वह काम पर जाता है। और वहां पर सारे लोग, उन्होंने अम्राम पर ध्यान दिया। आने के बजाये, आप जानते हैं, नीचे झुके होने और थके होने के बजाये, उसके कंधे ऊपर उठे हुए थे, कहा, "कुछ और ईंटों को भेजो। आओ, हम चलें!"

"क्या माजरा है? "

"परमेश्वर की महिमा हो! परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देने जा रहा है।" ओह, नहीं...

154 आप जानते हैं, जब आपको उत्तर मिलता है तो यह आपको अच्छा महसूस करवाता है। क्या हम यह नहीं जानते, पापा और मम्मी, जब परमेश्वर उत्तर देता है? आपको दर्शन देखने की आवश्यकता नहीं है। बस यह जान ले कि वहां पर उत्तर है, बस। ऐसा ही है, बस जान लें कि वहां पर उत्तर है।

155 अब, अब ध्यान से सुनना, मैं चाहता हूं कि आप सुने, क्या घटित हुआ। अब आप जानते हैं, थोड़ी देर के बाद, कहा, "तो ठीक है, अम्राम, तुम्हारे साथ क्या मामला है? "

156 "परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देने जा रहा है! परमेश्वर प्रार्थना का उत्तर देने जा रहा है!"

“अच्छी बात है, वह प्रार्थना का उत्तर कैसे देने जा रहा है? ”

“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।”

157 एक बूढ़ा व्यक्ति चलकर आया, और कहा, “अब तुम्हे क्या लगता है कि वह कब उत्तर देगा? ”

158 “खैर, मैं आपको नहीं बताऊंगा, कुछ भी हो, क्योंकि आप एक अविश्वासी हैं। मुझे कुछ और ईंटें दे दो।” उन्हें वहां *इस* तरह से फेंक दिया... ?... परवाह ना करे; आपको अविश्वासियों को सारी बातें बताने की आवश्यकता नहीं है, क्या आपको हैं? कोई फर्क नहीं पड़ता। नहीं, श्रीमान। निश्चय ही नहीं। “मुझे कुछ और ईंटें दे दो। हाल्लेलुय्या! प्रार्थना का उत्तर देने जा रहा हैं!” आप इसी तरह से महसूस करते हैं जब आप जानते हैं कि ऐसा होने जा रहा है। क्या ऐसा नहीं है? जी हां, श्रीमान।

“तो ठीक है, वह इसे कैसे करने जा रहा है? ”

159 “किसी भी तरह से, आप नहीं जानते, इसलिए बस ईट को भेजते रहो।” उन सबको वहां पर रख दिया, वहां उन सारी पुरानी ईटों को डाल दिया।

160 उस रात्रि वह घर गया, कहा, “ओह, योकेबेद, इस पर सोचो, हमारे पास एक बालक होने जा रहा है! ओह, वह छुड़ाने वाला होगा! परमेश्वर उसे भेजने जा रहा है। ओह, यह अद्भुत होने जा रहा है।”

“ओह, लेकिन मैं बहुत ही... ”

161 “ओह, चिंता करना छोड़ दो! चिंता करना छोड़ दो! ओह! परमेश्वर—परमेश्वर अब सुनवाई के अंत में है। परमेश्वर के कान है; परमेश्वर सुन सकता है। परमेश्वर के हाथ है; वह छुड़ा सकता है।” इसलिए, ओह, उसके पास बहुत ही विश्वास था।

162 आप जानते हैं, जब आप इसमें से होकर प्रार्थना करते हैं, तो आपको उत्तर मिलता है, तब आपको वास्तव में बहुत विश्वास मिलता है। ओह! क्या आपने कभी किसी चीज के लिए प्रार्थना की है, और आप जानते हैं कि परमेश्वर आपके लिए इसे करने जा रहा है? क्या आप जो छोटी लड़कियां है ऐसा करती हैं, और आप छोटे लड़के? जी हां। निश्चय ही। यही है जब वह... यही है जब आप जानते हैं कि यह घटित होने जा रहा है। तो ठीक है।

163 पूरा एक वर्ष बीत जाता है। और पहली बात जो आप जानते हैं, यहाँ एक दिन अम्राम काम से आता है। और क्या हुआ? बहुत ही प्यारा सा छोटा बालक, ओह, वह एक छोटा सा प्रिय था, लगभग *इतना* बड़ा। और तो उसने उस बालक को उठाया, उसे अम्राम को सौंप दिया। और वह उसे चूमता है, आप जानते है। वह उससे प्रेम करता है, देखो। और मां उसे पकड़े हुए होती है। ओह, क्या ही खजाना है! उसने कहा, "ओह, मैं बहुत डरी हुई हूं, हालांकि, आप जानते हैं। यह छोटा सा बालक, वह क्या ही प्यारी सी छोटी चीज है।"

164 और आप जानते हैं क्या? बाईबल ने कहा कि यह अब तक का सबसे सुंदर बालक था। अब मैं जानता हूं कि माताएं इस पर मुझसे असहमत होंगी। उह-हुंह। उन्होंने सोचा... आपकी माँ ने सोचा था कि आप सबसे सुंदर छोटे से बच्चे हो। क्या आपने नहीं सोचा? जी हां। उसे ऐसा सोचने का अधिकार है। लेकिन बाईबल ने कहा कि यह एक बहुत ही सुंदर छोटा बालक था। ओह, वह एक रत्न था। परमेश्वर के हाथ उस पर थे, आप जानते हैं। तो, ओह, वह सबसे प्यारी छोटी सी चीज थी! वह वहां पर लेटा रहता, और वह—वह बस बिना दांतों की एक छोटी सी मुस्कराहट को बनाता।

165 आपके पास कोई छोटा भाई और वे नहीं है, वे ऐसा करते है, जब उसके पास कोई दांत नहीं—नही होते है, बस *इस* तरह से मुस्कुराते है?

और पहली बात जो आप जानते हैं, "वाह!"

"ओह, मेरे प्रभु! व्यूह! मैं जानता हूं, आओ हम उसे छिपा ले।"

"क्या बात है? तुम क्या कर रही हो? "

166 "उसे सीढियों से नीचे ले जा रही हूं। आप जानते हैं कि आदेश क्या है। देखो, यदि वह पुरानी लंबी नाक वाली राक्षसी यहां पर आ जाती है, तो वे हमारे बच्चे को उठा लेगी और उसे मार डालेंगी। यह सही है। हम इसे रोने नहीं दे सकते।" इसलिए, ओह, इसे कुछ—कुछ नाश्ते या रात्रि भोज खिलाने की जरुरत है। इसलिए मां इसे वहां कोने में ले जाती है, वह उसे दूध पिलाती है, आप जानते हैं। और इसलिए वह तब ठीक था।

167 सो उसके कुछ रात बाद, वे उसके साथ खेल रहे थे, और, "वाह!" वह फिर से चला गया, आप जानते हैं, रोना आरम्भ किया। उसने तुरंत ही वहां जाकर, और उसे इस तरह से बहुत जल्दी छिपा—छिपा दिया। और

सीढियों से नीचे की ओर, वहां पीछे जाकर, एक दीवार के, अम्राम ने एक छोटे से स्थान को तैयार किया था जहां वह बालक को छिपा सकता था।

168 और फिर पहली बात आप जानते हैं, उन्होंने कुछ सुना जो सीढियों से वहां ऊपर जाते हैं... [भाई ब्रन्हम पुलपीट पर खटखटाते हैं—सम्पा।] *व्यूह!* चला गया! हर कोई एक स्थान पर बिखर गया, कहा, "ये वही हैं। यही वे पुरानी राक्षसी है, पुरानी लंबी उँगलियाँ, रंगे हुए नाखून!" और वो पुरानी राक्षसी... वहां नीचे देखा, और खिड़की से बाहर की ओर देखा, कहा, "हाँ, ये वे ही हैं। वे वहां पर खड़ी हैं।"

[भाई ब्रन्हम पुलपिट पर खटखटाते हैं—सम्पा।] "द्वार खोलो!"

169 बूढ़ा अम्राम चलकर बाहर गया, दरवाजा खोला, कहा, "तुम क्या चाहती हो? "

170 कहा, "तुम्हारे पास यहाँ एक बालक है, और हम यह जानते हैं। और हम इसे उठाने जा रहे हैं।"

"हमारे पास कोई बालक नहीं है कि तुम्हें दे।" उन्होंने नहीं माना।

171 "हम अंदर आकर और देखेंगे, कुछ भी है। हम जाँच–पड़ताल करने वाली स्त्रियाँ है। हमारी मोहर को देखा? " और यह एक... क्या यह एक स्त्री के लिए कुछ नहीं है? लेकिन, "हम जाँच–पड़ताल करने वाली स्त्रियाँ हैं। हमें अधिकारी से आदेश मिला है!" आप जानते हैं, हमारे पास वे अब यहां पर है। और सो—सो उसके बाद वे नीचे ले जाते हैं, अंदर जाते हैं। वे अंदर जाकर और सोफे को घुमाते हैं, और सारे दराजों को खोलते हैं, और हर एक चीज को फर्श पर फेंकते हैं, और सारे पलंग के कपडो को लेकर और उन्हें टटोलकर बाहर रखते है। और ऊपर जाकर और पाते हैं कि पिता का एक छोटा सा गुप्त स्थान है। हर जगह देखते है, लेकिन वे बालक को नहीं पा सके।

172 बालक को नहीं पा सके, इसलिए वे वहां चलकर महिला के पास गए, बेचारी—बेचारी योकेबेद वहां खड़ी हुई थी, उसका चेहरा सफेद था। वे चलकर ऊपर गए, कहा, "यहाँ इस ओर देखो! हम जानते हैं कि तू एक—एक मां हैं। हम तुझे दिखकर ही ये बता सकते हैं। हम जानते हैं कि तू एक दूध पिलाने वाली महिला हैं, और हम जानते हैं कि वह बालक यहीं पर है। हम वापस आयेंगे। हम इसे उठा लेंगे!" निकलकर वे दरवाजे से बाहर चली गए। दरवाजे को जोर से बंद करके, और वे बाहर चली गयी।

उसने कहा, “ओह, ओह, हम क्या कर सकते हैं? हम क्या कर सकते हैं? ”

173 तो अम्राम ने कहा, “प्रार्थना करो।” क्या यही वो चीज है जो करना है? [लड़के और लड़कियां कहते हैं, “जी हां।”—सम्पा।] क्या यही वो चीज है? “प्रार्थना करो! आओ प्रार्थना करें।”

“ओह, ओह, ओह! मैं नहीं जानता कि क्या—क्या करना है। ओह!”

174 सो उसने कहा, “अब, देखो, तुम शांत हो जाओ, और तुम जाकर फिर से बच्चे को दूध पिलाओ। मैं ऊपर जाकर और प्रार्थना करता हूं।”

175 इसलिए वह सीढियों से ऊपर जाता है और प्रार्थना करता है। उसने कहा, “यहोवा, आपके कान है। यहोवा, आपके पास आंखें है। यहोवा, आप सुन सकते हैं। आप प्रार्थना का उत्तर दे सकते हैं। आपने हमें इस बालक को दिया है। आपने हमें अपनी प्रतिज्ञा दी है। और आप अपनी प्रतिज्ञा को पूरा करेंगे, और आप उस बालक को संभालेंगे। और मुझे पूरा भरोसा है!”

176 प्रार्थना करने के बाद, बहुत ही थक जाता है, वह—वह तब *इस* तरह से गिर पड़ा और सो गया। [भाई ब्रन्हम खर्राटे की आवाज़ निकालते है—सम्पा।] वह बहुत ही थक गया था! दिन भर काम किया, और सारी रात प्रार्थना की। वह थका हुआ था। और तब आप जानते हैं कि क्या हुआ? वह सोने चला गया, और उसने एक स्वप्न देखा।

177 आप जानते हैं, परमेश्वर स्वप्न में भी बोलता है, क्या वो नहीं बोलता? निश्चय ही, वह बोलता है। हाँ, वह बोलता है। वह बोल सकता है। समझे? और वह स्वप्न में बोलता है।

178 ओह, जब वह उठा, उसने कहा, [भाई ब्रन्हम एक बार अपनी उंगली से चुटकी बजाते हैं—सम्पा।] “यही है! मुझे इसके विषय में सोचना चाहिए था। यही है जो मुझे करना चाहिए।” [भाई ब्रंहम ने पुलपीट पर पांच बार खटखटाया।] “मैं अब इसके विषय में कुछ नहीं कहूंगा।”

वह सीढ़ियों से नीचे जाता है। उसने कहा, “योकेबेद!”

“हाँ, प्रिय? ओह, मैं बहुत थक हुआ हूं। मैं सो नहीं सकता।”

“ओह, जाकर सो जाओ। जाकर सो जाओ। यह सब खत्म हो गया है।”

“आप कैसे जानते हैं? ”

“ओह, मैं बस जानता हूं। मुझे बस भरोसा है!”

179 पिता, उस रात बजाये प्रार्थना करने के लिए ऊपर जाये, वह नीचे तहखाने में चले गए। वह वहां पर व्यस्त था। मैं सोचता हूं कि वह क्या कर रहा था। आइए नीचे उतरकर और उसे देखें। मैं उसे वहां जाते हुए देखता हूं... [भाई ब्रंहम गुनगुनाना आरंभ करते हैं, और किसी चीज को बनाने की नकल करते हुए कूटते हैं—सम्पा।] “धम्म, धम्म, धम्म।” [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं।] इस सरकंडे को लेता है, और इसकी ओर देखता है, इसे घुमा कर और देखता कि क्या यह अच्छा है। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं।] उस दिन छोटा हारून बाहर चला गया, और उन सारी चीजों को हाथो में भरकर एक साथ उठाया, उन्हें तहखाने में रख दिया, आप जानते हैं। [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं।] “परमेश्वर तुम्हारी चिंता करता है।” [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं।] “पुराने समय का धर्म, यह सारा सच्चा होना है!” [भाई ब्रंहम किसी चीज पर कूटते हैं।] उन्हें चारों ओर से बांध देता है।

उसने कहा, “अम्राम, तुम्हारे साथ क्या मामला है? ”

“हाल्लेलुय्या! कुछ नहीं, प्रिय। आगे बढ़ो।”

180 [भाई ब्रंहम गुनगुनाते हैं—सम्पा।] “यह पुराने समय का धर्म है।” [भाई ब्रंहम फिर से कूटते हैं।] “यह पुराने समय का धर्म है।” इसे *यहाँ* पर लाता है, आप जानते है। “यह पुराने समय का धर्म है।” “शशशशश,” इसे पूरी तरह से बंद कर दे। “और इतना मेरे लिए काफी अच्छा है! मुझे यह पुराना दो... ” वह कुछ तो कर रहा था।

181 आप जानते हैं, एक या दो सप्ताह बीत जाने के बाद, पहली बात आप जानते हैं, उन्होंने सोचा कि वह क्या कर रहा था।

182 इसलिए एक रात जब वे सब सो रहे थे, वह चुपचाप से सीढियों की ओर जाता है और इस छोटी सी चीज को ऊपर लाता है, आप जानते हैं। वह इसे *इस* प्रकार से उठाता है। और वह इसे ऊपर लाता है। वह उस ढक्कन को उठाता है जहां योकेबेद उसकी पत्नी सो रही थी, और वह उसे ढक्कन के नीचे धीरे से रख देता है। और छोटा हारून और—और छोटी मरियम सो रही थी, आप जानते हैं; ओह, वह एक प्यारी सी छोटी सी चीज थी, वह छोटी लड़की थी, और वैसे ही वो छोटा हारून था। सो, उसने इसे वहां उनके नीचे रख दिया। उसने कहा, “प्रिय योकेबेद।”

183 उसने कहा, "क्या आप इस रात को नीचे तहखाने में प्रार्थना कर रहे हो, अम्राम? "

कहा, "नहीं। मैं तहखाने में हूं, परमेश्वर की स्तुति कर रहा हूं।"

कहा, "तुम क्या कर रही हो? "

184 कहा, "मैं आपको बताना चाहता हूं। अब, तुम जानती हो कि वे पुरानी राक्षसी वापस आ रही है।"

"हाँ।"

185 "और मैं तुम्हें बताना चाहता हूं कि हम क्या करने जा रहे हैं। अब हमारे पास तीन महीने का बालक है, और हमें इससे छुटकारा पाना है।"

"ओह, अम्राम! आप क्या करने जा रहे है? "

"हमें बालक से छुटकारा पाना है।"

"बच्चे से छुटकारा पाना है? "

"हाँ।"

"ओह, आप तो निर्दयी हो!"

"नहीं, मैं निर्दयी नहीं हूं। नहीं, नहीं, नहीं। मैं जानता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं।"

186 "आपका क्या मतलब है? क्यों, आप फिरौन के समान बुरे बन जाओगे। हमारे बच्चे से छुटकारा पाने जा रहे हो? "

"हाँ, बालक से छुटकारा पाने जा रहा हूँ।"

"ओह, हम नहीं कर सकते!"

187 "अब सुनना। यदि हम इसे बचाये रखते हैं, तो हम इसे खो देंगे। और यदि हम इसे उसे देते हैं जिसने हमें इसे दिया है, तो वह इसे पा लेगा।" क्या यह सही है? "अब, यदि तुम इसे बचाते हो, तो हम इसे खो देंगे।"

"आप इसे कैसे खो देंगे? "

"क्योंकि, वे पुरानी राक्षसी वहां आकर और उसे उठा लेंगी।"

188 और देखो, यदि आप उस प्राण को बचाते हैं और आगे बढ़कर और संसार की तरह जीते हैं, तो आप इसे खोने जा रहे हैं। नरक की राक्षसी आपके पीछे है। और यह सही बात है। संसार की यह सारी पुरानी मूर्खता और वहां पर की चीजें, यह ठीक आपके पीछे है। यदि आप इसे बचाते हैं,

तो आप इसे खो देंगे; लेकिन यदि आप इसे वापस उसी को देते हैं जिसने इसे आपको दिया है, तो आप इसे पाकर और इसे बचाए रखेंगा। अब यह क्या है? यदि हम इसे बचाते हैं, तो हम क्या करते हैं? [बच्चे कहते हैं, "इसे खो देते है।"—सम्पा।] इसे खो देते हैं। यदि हम इसे मसीह को देते हैं, तो हम क्या? इसे बचाते है। ["इसे बचाते है।"] आमीन! यह अच्छा है। अब आपने सही उत्तर दिया।

189 अब उसने कहा, "योकेबेद, हम इसे खो देंगे यदि हम इसे बचाते हैं। इसलिए यदि हम इसे—इसे वापस उसी एक की ओर मोड़ते हैं जिसने इसे हमें दिया है, तो हम इसे बचा लेंगे।"

190 अब आपके पास एक प्राण है। और, पिता और माँ, आपके पास भी उसी तरह से है। लेकिन यदि आप इसे बचाते हैं, तो आप इसे खोने जा रहे हैं। यह सही है। नरक की राक्षसी इसे ले लेगी। वे सब इसके पीछे हैं! लेकिन यदि आप इसे वापस उसी एक को देते हैं जिसने आपको इसे दिया है, तो आप इसे अनंत जीवन के लिए बचा लेंगे। हाल्लेलुय्या! आमीन! मुझे क्षमा करें, बच्चों, मैं—मैं बस चिल्लाने की बात पर पुराने समय का हूं। यदि आप इसे बचाते हैं... आइए इसे सब एक साथ कहें: [सभा के लोग भाई ब्रंहम के साथ–साथ कहते है—सम्पा।] "यदि आप इसे बचाते हैं, तो आप इसे खो देंगे; यदि आप इसे वापस उसी एक को देते हैं जिसने इसे आपको दिया है, तो आप इसे बचा लेंगे।" आमीन। अब याद रखे, इसे उसे दे दो।

191 अब आइये देखते हैं। ओह, वह रोना आरंभ करती है। उसने कहा, "ओह, आप इसके साथ क्या करने जा रहे हो? " उसने कहा।

"यहाँ देखो, मैं तुम्हें कुछ तो दिखाना चाहता हूं।"

"तुम्हें वहां मेरे बिस्तर के नीचे क्या दिखता है? "

कहा, "मुझे तुम्हें दिखाने दो।" और उसने इसे बाहर निकाला।

"ओह, यह एक छोटी सी बेंत से बनी टोकरी है!"

192 यह एक छोटा सा जहाज है, जो यह है। उसमें कोई पतवार नहीं है, उसमें कोई खेने वाला नहीं है, उस पर कोई तोप नहीं है, और फिर भी यह उस समय का सबसे मूल्यवान माल को ढोने जा रहा है जो उस एक जहाज में लिए हुये था। इसे सुनना! इसमे कोई कप्तान या कोई कर्मी दल नहीं है।

भाई, मैं एक वयस्क जन के लिए भी इस तरह के एक जहाज को जानता हूं!

193 "ओह," उसने कहा, "मैं... मुझे इसे देखने दो, अम्राम, मुझे देखने दो।" वह यहां पर जाती है।

194 कहा, "यहाँ देखो, इस पर एक छोटा सा ढक्कन लगा हुआ है। देखा?" वह छोटे ढक्कन को ऊपर उठाता है।

उसने कहा, "व्यूह! बदबू आ रही है! उंह! व्यूह! ओह!"

कहा, "हां, इससे बदबू आ रही है।"

"क्यों?"

195 "मैंने इस पर डामर या तारकोल उंडेल दिया है। इसमें पूरी तरह से डामर पोता हुआ है।" तारकोल डामर होता है, आप जानते हैं, इसलिए उन्होंने इस पर पूरी तरह से डाबर को लगाया। यही है जिसे वो यहाँ पर उबाल रहा था, और इसे इन लकड़ी की बेंत के ऊपर उंडेल रहा था। उसने इस पर डामर पोता था। कहा, "देखो, तब पानी उसके अंदर नहीं जा सकता। देखो, यह पूरी तरह से मोहरबंद किया हुआ है।" और कहा, "और यह बस इसके अंदर नहीं जा सकता, पानी नहीं जा सकता। मैंने इस पर डामर पोता है।"

कहा, "व्यूह! बदबू आ रही है!"

196 आप बच्चे जानते हैं कि डामर क्या होता है, जब वे सड़क को तैयार करते हैं, "ओह, यह भयंकर गंध है!" लेकिन ये—ये—ये—ये बनाये रखता... ये—ये सड़क की सारी दरारों को बंद कर देता है। और इसी तरह से यह काम करता है, इससे सारा पानी बंद हो जाता है।

197 और यही है जो प्रार्थना विश्वासी के लिए करती है। यही है जो प्रतिदिन संसार को आपसे दूर रखता है, जब आप अपने आप को अपने घुटनों पर डामर पोत देते हैं, और कहते हैं, "प्रभु यीशु!" और लहू नीचे आता है, और यह आपको पूरी तरह से मोहरबंद कर देता है जिससे कि शैतान आपको पकड़ ना सके। देखा? यह सही है। देखा? तो फिर, ओह, बहुत बार लोग यहाँ-वहां जाते हैं और कहते हैं कि यह भयंकर है, लेकिन, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, यह आपको सुरक्षित रखता है। यही मुख्य बात है,

सुरक्षित रहे। कहे, "आप पुराने समय के है," लेकिन, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, यह आपको सुरक्षित रखता है।

"अच्छा," कहा, "हम क्या करने जा रहे हैं?"

198 "तो ठीक है," कहा, "मैं तुम्हें बताऊंगा कि हम क्या करने जा रहे हैं। हम बालक को लेकर, और हम एक थोड़े से समय के लिए उससे अलग होने जा रहे हैं। और हम बालक को लेकर और उसे यहां इसमें डालेंगे, और उसे नील नदी में डाल देंगे।"

199 "ओह! नहीं! नहीं! नहीं! अम्राम, आप हमारे बच्चे को वहां नदी में नहीं डाल सकते।"

200 "हाँ! हां! मैं जानता हूं कि मैं क्या कर रहा हूं।" देखो, उसने एक सपना देखा था, वह जानता था कि क्या करना है। देखो, परमेश्वर ने उसे निर्देश दिया था। वह जानता था कि क्या करना है। उसने इसे बनाया, और उसने देखा कि यह उसी तरह की नाव थी जिसने नूह को उसके समय में बचाया था।

201 इसलिए उसने कहा, "यहाँ पर देखो, मैंने इसके ऊपर काट कर एक छोटा सा छेद किया है, ताकि वह सांस ले सके। देखो, उसे वहां उसमें से धूप मिल सकती है।"

202 और आप जानते हैं, पुरानी बाईबल में जहाज, वहां जो बहुत पहले था, इसे उसी तरह से बनाया गया था। और इसके ठीक ऊपर एक छेद था, जिससे कि आप अंदर देख सकते थे, आप देखते हैं, और जहां से उसे ऊपर की ओर देखना होता है।

203 तो फिर यह बेचारा छोटा सा बालक, बिना नाम का, उसका कोई नाम भी नहीं रखा था; छोटा, बिना नाम का बालक, और फिर भी दुनिया का सबसे प्यारा छोटा बालक।

204 अगली रात को, जब वे वहां पर आए, और उन्होंने सुबह के लगभग तीन बजे तक प्रतीक्षा की, और फिर वे... वह वहां पर चलकर जाता है। और उसका प्रार्थना करके हो गया। वो वहां पर जाता है, और उसने कहा, "अब आओ, योकेबेद, उठ जाओ!"

205 और सो उन्होंने छोटे हारून और छोटी मरियम को जगाया। ओह, वह वहां पर आयी और उसने अपने हाथो को रखा, उसने कहा, "डैडी!" छोटी

मरियम, उसने कहा, “आप हमारे छोटे भाई, इस बच्चे को नहीं उठाये, क्या आप लेकर, और इसे उस नील नदी में डालेंगे जहां वे सारे पुराने मगरमच्छ हैं? ”

206 और उसने मरियम के छोटे बालों को *इस* तरह पीछे किया। और उसकी... उसकी आंखें सुंदर थी, और सुंदर छोटे बाल थे। और सो उसने उसे गाल के किनारे पर चूमा। उसने कहा, “प्रिय, इससे मुझे भी पीड़ा होती है। इससे मुझे भी तकलीफ होती है, लेकिन हमें यह करना ही है।”

207 आप देखिए, छोटी लड़कियां और लड़के, कभी–कभी हमें ऐसे काम करने पड़ते हैं जो हमें तकलीफ पहुँचाते हैं, लेकिन हमें इसे करना ही है, जो भी हो। जब लड़कियां कहती हैं, “हे, क्या तुमने कभी सिगरेट पी है? ”

आप कहेंगे, “नहीं।”

208 “तो ठीक है, एक पी कर देखो! ओह, मैं तुम्हारी मित्र हूं, तुम जानते हो। जी हां, तुम कोशिश करके देखो।”

209 लेकिन आप, इससे हो सकता है थोड़ी तकलीफ पहुंचे, लेकिन कहते हैं, “हुंह–उह। मैं इसे पीना नहीं चाहता।” देखा? समझे? “मैं इसे पीना नहीं चाहता।”

कहती है, “क्या तुम आज शाम को आकर मेरे साथ नाटक देखने जाओगे? ”

210 “नहीं, नहीं। हूं–उह। मैं नाटक में नहीं जाता।” देखा? हो सकता है यह थोड़ी सी तकलीफ देगा। देखा?

211 “ओह, तुम बस एक पुराने विचार वाले हो।” आप इसका विश्वास ना करें। इससे थोड़ी बहुत तकलीफ हो सकती है। बस इससे अपना सिर घुमा ले; ऐसा करना ही सही है, आप देखना। हमेशा ऐसा ही करें, सही काम को करें। तो ठीक है।

212 और अब जब लड़कियां इस छोटे से पैर के अंगूठे से इस तरह से नाच की चीजें सीखती हैं, और चाहती हैं कि आप इसे करें; आप उन्हें बताये, “नहीं, नहीं।” आप इसे नहीं करते, देखो।

213 “ओह, ठीक है, यह बहुत ही मजे वाली चीज है।” आप परवाह नहीं करते कि यह कितना मजेदार है। आप वही करना चाहते हैं जो सही है,

इसलिए आप हमेशा वही करते हैं जो सही है। अब, आप बस इसे अब याद रखें। आप इसे नहीं भूलें, क्या आप करेंगे?

214 अब, अब उन्होंने क्या किया? उन्होंने तब छोटे बालक को लिया और वहां पर आ गए। और छोटा हारून आगे आया, उसने कहा, "पिताजी, आप हमारे बच्चे के साथ क्या करने जा रहे हैं?"

215 उसने कहा, "हारून, यहाँ मेरी गोद में बैठ जाओ, प्रिय।" कहा, "देखो, हारून। यदि हम बालक को बचाते हैं, तो हम क्या करने जा रहे हैं?" [सभा कहती है, "इसे खो देंगे।"—सम्पा।] "इसे खो देंगे। लेकिन यदि हम बालक को वापस उसके हाथों में दे देते हैं, जो हमें इसे देता है, हम क्या करेंगे?" ["इसे बचा लेंगे।"] "हम इसे बचायेंगे।" यह सही है।

"लेकिन आप इसे कैसे करेंगे, डैडी?"

216 "मैं नहीं जानता। मुझे नहीं पता कि यह कैसे होने जा रहा है, लेकिन परमेश्वर इसे करने जा रहा है।" देखा?

217 और सो फिर उन्होंने उस छोटे बालक को वहां रखा, और सो वह चला जाता है। और अब वे यहां जाते हैं, वे दरवाजे पर जाते हैं। वे नीचे दरवाजे की ओर जाते हैं, वह सड़क पर *इस* तरह से नीचे की ओर देखता है, *उस* ओर नीचे सड़क पर देखता है। वहां कहीं भी, कोई भी नहीं आ रहा है। कहा, "आओ, योकेबेद। हारून, आओ। मरियम, आओ। आओ निकल चले।"

218 वे छोटी सी नाव को लेते हैं और वहां नदी के झंडे के पास जाते हैं। ओह, दिन के उजाले से बहुत पहले का लंबा समय है। और यहां छोटा हारून आता है, वहां पीछे छोटी मरियम को पकड़े हुए था, छोटे भाई और बहन, वे रो रहे थे। और बेचारी छोटी योकेबेद, वह साथ-साथ जा रही है, ऐसे रो रही थी, "सुबक, सुबक, सुबक, सुबक।"

"श-श-श-श-श! वे सड़क की ओर देख रहे हैं। सावधान रहो। श! सावधान रहो।" नीचे सड़क पर जाते हुए। "श-श-श! सावधान रहो।" छोटे बच्चे को उठाकर जा रहे थे। और मां बच्चे को गोद में लिए हुए थी, और—और पिता नाव को उठाये जा रहा था।

219 वे नदी में उतरते हैं। ओह, यह एक बड़ी विशाल नदी है, संसार की लगभग दूसरी सबसे बड़ी नदी। और तो, फिर, बड़ी विशाल नदी, और

तेज, और बस बड़े विशाल पुराने मगरमच्छों और घड़ियालो से भरी हुई। ओह, वे मोटे थे। व्यूह! उन्होंने उन सभी छोटे बच्चों को उन्हें खिलाया था। वे बिल्कुल मोटे थे। और—और वह कहती है, योकेबेद ने अपने पति अम्राम से कहा, "ओह, क्या होगा यदि घड़ियाल इसे पकड़ लेगा? क्या होगा यदि यहाँ के मगरमच्छ इसे छू ले? "

220 कहा, "चिंता मत करो। यदि वे कभी उनकी नाक को उस तारकोल या डामर में लगाते हैं, तो वे एकदम से दूर हो जाएंगे, देखो। यही कारण है कि इसमें से बदबू आती है, देखिये। वह अपनी नाक को ऊपर उठा लेगा," कहा, "वह मनुष्य के शरीर को नहीं सूंघ सकता, इसलिए वह दूर चला जाएगा। उस तारकोल या डामर से इतनी दुर्गन्ध आएगी कि वे भाग जायेंगे। यह सही रहेगा। तुम चिंता मत करो।" सो वे... और वहां इस छोटी सी नाव को नीचे रख दिया। और उसने कहा... "अब तुम बच्चे को दूध पिलाओ।"

221 इसलिए मां बालक को लेती है और उसे दूध पिलाती है, और वह बच्चे को तब तक दूध पिलाती है जब तक कि उसका नाश्ता नहीं मिल जाता, सुबह का नाश्ता। और फिर वह [भाई ब्रंहम चूमने की आवाज निकालते हैं—सम्पा।] इसे चूमती है। और कहा, "अब, हारून, तुम इसे चूम सकते हो।" और हारून ने इसे चूमा। और फिर इसे मरियम के पास ले जाती है, और वह इसे चूमती है। और माँ इसे चूमती है, और, "ओह," उसने कहा, "मैं बस... "

222 "अब, श–श–श! अब सुनो, हमें योद्धा बनना होगा। समझे? हमें योद्धा बनना होगा। अब तुम सब इसे फिर से चूमना चाहते हो? " वे सभी इसे फिर से चूमते है। तब उन्होंने उसे वहां इसमें रखा।

223 और माँ ने छोटा सा कंबल बनाया, और उस पर डाल दिया, और छोटा तकिया। उसने इसे वहां पर रखा। उसने कहा, "मेरे प्यारे से छोटे बच्चे, परमेश्वर तुम्हें आशीष दे।"

"श–श–श! अब, परमेश्वर इसका ध्यान रखेगा। तुम चिंता मत करो।"

224 छोटे ढक्कन को नीचे करके बंद किया। और पहली बात आप जानते हैं, पिता ने अपना कोट उतारा, अपनी कमीज को उतारा। यहाँ वह जाता है, पानी में उतरकर जाने लगता है।

225 आप क्या सोचते हैं इस समय के विषय में स्वर्ग में क्या हो रहा होगा? हाल्लेलुय्या! आप जानते हैं, जब चीजें यहां नीचे होती हैं, वहां पर भी कुछ

तो वहां चल रहा होता है। आमीन! मैं परमेश्वर को अपने सिंहासन पर से उठते हुए देख सकता हूं, चलकर वहां आता है, कहता है, “जिब्राईल! जिब्राईल! तुम कहाँ हो? ”

जिब्राईल कहता है, “प्रभु, मैं यहां हूं।”

226 “यहाँ आओ! तुम्हे कुछ तो दिखाना है!” कहा, “तुम सारे दूत एक मिनट के लिए यहाँ पर आओ, मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं। मेरे पास ऐसे लोग हैं जो मुझ पर विश्वास करते हैं। हां, मेरे पास ऐसे लोग हैं जो मुझ पर भरोसा करते हैं। एक मिनट यहाँ आओ! यह तुम सारे दूतों के लिए अच्छा है, इस पर एक दृष्टि डालो। देखो!”

“यह कहाँ पर है? ”

“ठीक वहाँ नीचे। उस ओर देखो।”

“हाँ, हाँ। जी हां, मैं इसे देखता हूं।”

227 “ठीक वहां पर नीचे की ओर देखो। उन—उन—उन—उन किनारे पर सरकंडों को देखो, वे पत्थर के ढेर और आदि-आदि? ”

“हाँ।”

“वहां देखो!”

“यह क्या है? ”

228 “वहां एक मनुष्य है जिसके हाथ ऊपर हवा में उठे हुए है, अपने घुटनों पर, मुझे पुकार रहा है। वहां एक रोती हुई मां है, और दो छोटे रोते हुए बच्चे हैं। वे बिल्कुल अंत तक मुझ पर भरोसा कर रहे हैं। जिब्राईल, तुम्हें याद है जब तुम वहां पर गए थे? तुम्हें वह मनुष्य याद है? ”

229 “हां, मैं उस रात को कमरे में मिला और उससे बात की। हूं-हुंह।”

230 “वह अब भी मुझ पर भरोसा करता है। मेरे पास ऐसे लोग हैं जो मुझ पर विश्वास करते हैं! मेरे पास ऐसे लोग हैं जो अंत तक मुझ पर भरोसा करेंगे!” [भाई ब्रंहम पुलपिट को छह बार खटखटाते हैं—सम्पा।] “उसे देखा? उसकी ओर देखो।”

“हाँ, ओह, क्या यह साहसी नहीं है!”

231 पिता पानी में चल रहा है, छोटी नाव को वहां धकेलना आरंभ करता है।

मैं उसे कहते हुए सुन सकता हूं, “जिब्रायल!”

“हाँ, प्रभु? ”

232 “दस हजार दूतो को दृश्य पर बुलाओ। उन्हें तुरंत ही आगे बढ़ने का आदेश दो। स्वर्ग के सेनाओ को बाहर बुलाओ। उन सभी को ऊपर–नीचे भेजो, स्वर्ग के झुण्ड के साथ, और उन सभी को इधर और उधर नील नदी पर भेज दो। मैं आज्ञा देता हूं कि कोई भी मगरमच्छ उस नाव के सामान को नहीं छुएगा! इसे कोई भी नहीं छुएगा! यहाँ तक कि लकड़ी का एक टुकड़ा भी उसके पास ना आने पाए।” हाल्लेलुय्या!

233 जिब्राईल ने कहा, “यह हो जाएगा।” ओह! उसने तुरही को फूंका! दस हजार दूत टुकड़ी में वहां आ गये!

“पायलट। प्रभु, आप कहां पर होंगे? ”

234 “मैं दूसरे छोर पर होऊंगा।” वह हमेशा ही ग्रहण करने वाले छोर पर होता है। “मैं दूसरे छोर पर रुकूंगा। मेरे पास एक उद्देश्य है। जब लोग मुझ पर भरोसा करेंगे, मेरे पास कुछ तो एक उद्देश्य होता है; यह उनके साथ अच्छा करेगा।” तो ठीक है, वह दूसरे छोर पर चला जाता है।

235 मैं मूसा को देखता हूं... मतलब छोटा हारून और वे लोग, वापस सड़क पर जा रहे होते हैं, रो रहे हैं। “श–श–श–श–श! इसे देखते रहो।”

236 और छोटी मरियम, वह अब भी खड़ी हुई है, देख रही है। उसने कहा, “ओह! ओह!”

237 कहा, “मरियम, चलो, दिन का उजियाला हो रहा है। चलो, मुर्गा दिन का बांग दे रहा है। चलो, यह दिन का उजियाला हो रहा है। चलो, प्रिय, आओ चलें!”

238 कहा, “ओह, डैडी, डैडी! कृपया, एक बार और। मुझे बस खड़े रहने दो, बस मुझे इसे देखने दो और मुझे देखने दो कि क्या होता है। मैं थोड़ी देर बाद घर वापस आ जाऊँगी।”

239 “ओह, ” [भाई ब्रंहम अपनी उंगली से चुटकी बजाते है—सम्पा।] “यह एक अच्छा विचार है, मरियम। यह हो सकता है ठीक हो। तुम बस खड़े होकर और देखो कि क्या बात जगह लेती है।”

“तो ठीक है, मैं—मैं इसे देखूंगी।”

240 "अब, तुम थोड़ी देर बाद जल्दी से घर आ जाना। तुम बस देखो कि क्या बात जगह लेती है। और तुम आकर, हमारे लिए खबर लाना, जो बात हो रही है।"

"ठीक है, डैडी।" और वे वहां से दूर चले गए, उन्हें जल्दी करना था।

241 छोटी मरियम, वह खड़ी होकर और वह देखती है। पहली बात आप जानते हैं, यह उजियाला हो जाता है। "ओह, ओह, ओह, यह वहां पर क्या आ रहा है? यह—यह एक लकड़ी का लट्ठा है। नहीं। क्या यह एक घड़ियाल है? ओह, वो घूम गया।"

242 हा–हा! उसने क्या देखा? वो उस बात देखता है जो बहुत से लोग नहीं देखते हैं। समझे? वह छोटा सा जहाज वहां से होकर तैरते हुए जा रहा था। उन्होंने सोचा कि इसका कोई चालक नहीं है; उन्होंने सोचा कि इसका कोई कप्तान नहीं है। इसका था। वे इर्द–गिर्द एकत्र हो गये थे।

243 यहाँ एक छोटा मगरमच्छ आता है, कहता है, "ओह, उस ओर देखो!" यहाँ वह आता है, *इस* तरह से ऊपर तैर रहा है। वह जाता... ओह, नहीं। नहीं, नहीं। वह उस नाव के नजदीक नहीं आ सकता है।

वहां पर एक आजादी दिलाने वाला रुका हुआ था, छुड़ाने वाला, तीस लाख यहूदी जिन्हें छुड़ाने की आवश्यकता थी। [भाई ब्रंहम पुलपिट को पांच बार खटखटाते हैं—सम्पा।] अधोलोक के सारे शैतान उसे छू नहीं सके। आगे की ओर तैरता हुआ, यह छोटा सा पुराना डामर का बना हुआ जहाज, वहां उस नदी पर था।

244 पहली बात जो आप जानते हैं, यह एक भँवर के अंदर चली जाती है। "ओह!" मरियम ने कहा, "ओह! ओह! इसकी ओर देखो! वो भँवर, इसकी ओर देखो! इसे इस तरह से देखो!" पहली बात जो आप जानते हैं, अचानक से यह बस बाहर निकल गई।

245 इसी तरह से यह जाता है। हम कभी–कभी एक भँवर में आ जाते हैं, यह छोटी सी नाव। चिंता मत करो। वहां कोई तो उसकी ओर देख रहा है। "परमेश्वर के दूत उनके चारों ओर डेरा डाले रहते हैं जो उसका भय मानते हैं।" उनमें से दस हजार अब आगे कुच करने वाले क्रम में हैं।

246 छोटी मरियम, वह नीचे की ओर जाती है, वह इस बड़ी चट्टान पर चढ़ जाती है, और वह इस पर *इस* तरह से तेजी से भागती है। और वह दौड़कर

नीचे उतरती है, वह नाव को देखती रहती है। और *यहां* से होते हुए आगे बढ़ती है, और बहुत से पत्थर के इस टुकडो में से होकर जाती है। थोड़ी देर के बाद नाव वहां पर अटक जाती है। कहती है, "ओह! ओह, मैं अचरज में हूं!"

247 (अब, उसके पिता ने उसे बताया था, कहा, "अब कोई भी तुम्हें नाव को देखते हुए नहीं देंखने पाए। यदि कोई वहां आता है, तो बस ऐसे व्यवहार करना जैसे तुम इसकी ओर देख भी नहीं रही हो, बस किसी और रास्ते पर चले जाना। इस तरह का व्यवहार ना—ना करना कि तुम उसकी ओर देख भी रही हैं, बस आगे बढ़ते रहना।" "ठीक है," उसने कहा।)

248 वह किनारे पर चली जाती है। नाव अटक जाती है। पहली बात आप जानते हैं, वहां मछुआरों का एक बड़ा झुंड होता है। और वह बस ऐसे व्यवहार करती है जैसे वह बस एक छोटी लड़की वहां पर चलकर जा रही हो। साथ ही, अब दिन के दस बजे है, आप जानते हैं, इसलिए वह बस नदी पर चली गई। और वह अपनी आंखे पीछे की ओर लागए रखती है, तिरछी नजर से, देखती है कि यह कहां जा रही है।

249 थोड़ी देर बाद वह दूसरे झुंड के पास से होकर निकलती है। बस देखती रहती है; थोड़ा आगे चली जाती है। आगे बढ़ती रहती है, थोड़ा और आगे बढ़ती जाती है।

250 थोड़ी देर बाद वह एक बड़ी दीवार के पास आ जाती है। "ओह, प्रभु, यह तो इस दीवार के पीछे जा रही है!" वह क्या कर सकती है? उसे नहीं पता कि क्या करना है। इसलिए वह दीवार को पार नहीं कर सकती है, इसलिए वह बस नीचे पानी में उतरती है और इस तरह से *इस* पर कदम रखती है, और उसके ऊपर से रेंगती है। वह वहां पर जाती है, और वह चलना जारी रखती है।

251 पहली बात जो आप जानते हैं, वह एक सुंदर से बगीचे में है। हर जगह फूल खिले हुए हैं, और यह बहुत ही सुंदर है। अब कुछ क्षण के लिए सुनना। अब देखो, छोटी लड़कियां। सुंदर फूल, और, ओह, सारे पेड़ो को कॉंटा–छांटा गया हैं। यह बहुत ही सुंदर दिख रहा था! यह एक उद्यान है। "ओह," उसने कहा, "वहां पर देखो, उस ओर! ओह, प्रभु! मैं महल के बगीचे में हूं, फिरौन के महल में, उद्यान में। मैं यहाँ क्या करूंगी? यदि वे मुझे कभी भी यहां पकड़ लेते है, ओह, प्रभु, वे मेरे साथ क्या करेंगे?"

252 और वह देखती है। वहां छोटी सी नाव जा रही होती है, और यह वहां पानी में एक प्रकार से रुक जाती है, और यहाँ–वहां तैरने लगती है, वहां पानी में। मैं सोचता हूं क्यों। और वो किसी को बात करते हुए सुनती है। वह वापस झाड़ियों के पीछे छिप जाती है। वह बैठी हुई, और *इस* तरह से बाहर देखती है, आप जानते हैं, छोटी मरियम बाहर की ओर देखने लगती है, इसे देखती है।

253 पहली बात जो आप जानते हैं, यहाँ कुछ बड़े विशाल हट्टे–कट्टे काले पुरुष आते हैं, *इस* तरह से एक बड़ी छतरी को लिए हुए होते हैं। और दासियां साथ–साथ चल रही होती हैं, और वे गा रही हैं। और यहाँ एक महिला आती है, और उसके सिर के चारों ओर एक बड़ी सोने की पट्टी होती है, एक बड़े सांप के साथ जिसका मुंह खुला हुआ है (*इस* तरह से) सिर के सामने से। और वो एक अच्छी दिखने वाली महिला है, और वह वहां नीचे आती है। वो बहुत ही सुंदर वस्त्र और इत्यादि पहने हुए थी। और मैंने एक दासी को कहते सुना, "महामहिम, क्या आप सोचती हैं कि आज सुबह पानी गर्म होगा? "

254 मरियम ने कहा, "'महामहिम'? ओह, यह अवश्य ही शाही होगी, मतलब मैं अवश्य ही उद्यान में हूं। और यदि वे मुझे यहां पकड़ लेंगे, तो वे मेरे साथ क्या करेंगे? "

255 तो ठीक है, वह नीचे आती है, और ये बड़े काले लोग *इस* तरह से खंभे को पकडकर उठाये रहता हैं, *इस* तरह से पानी के किनारे पर चली जाती है, और वह अपने जूते को उतार देती है। और एक दासी के पास तौलिये थे, और दूसरे के पास साबुन था। और वह सुबह के स्नान के लिए वहां उतर रही थी। सो वह वहां नीचे जाती है और वह अपने नहाने के लिए—के लिए तैयार होने लगती है। वह अपने जूते उतार देती है। उसने कहा, "मैं अपने पैर की उंगलियों को पानी में डालूंगी और देखूंगी कि क्या यह अभी भी गर्म है। ओह, यह बस अच्छा है, बस... वहां पर क्या है? "

256 "ओह!" मरियम, छोटी मरियम ने कहा, "ओह! उह–ओह, उसने उस नाव का पीछा किया है।"

"ओह," उसने कहा, "क्या यह मगरमच्छ है? "

257 उन बड़े हट्टे–कट्टे पुरुषो में से एक ने कहा, "बस एक मिनट, मैं पता लगाऊंगा।" छप्प, छप्प, छप्प, पानी में चलकर जाता हैं। इसे *इस* तरह

से उठाता है, और वहां चलकर जाता है। कहा, "महामहिम!" इसे दासी को देता है। और दासी इसे ले लेती है और *इस* तरह से उसे देती है, और वह इसे नीचे रख देती है।

258 उसने कहा, "यह क्या है? व्यूह, बदबू आ रही है! इसके ऊपर तारकोल लगा हुआ है। यहाँ देखो, इसके ऊपर एक छेद है।"

259 और मरियम ने कहा, "ओह! ओह, मेरा छोटा भाई जा रहा है! वहां मेरा छोटा भाई जा रहा है!"

260 और सो वे इसे *इस* तरह से खोलते हैं। "ओह, यह एक बच्चा है!" और यह आरंभ... संसार का सबसे सुंदर छोटा सा बालक! और, ओह, एक परमेश्वर जो घृणा का कारण हो, वह प्रेम का कारण हो सकता है; और सारा प्रेम जो वह एक मनुष्य के हृदय में डाल सकता था, एक माँ में एक बच्चे के प्रति होता है, उसने उस लड़की के हृदय में डाल दिया। और उसने—उसने कहा, "यह एक इब्रानी... मैं जानती हूं कि यह क्या है। यह मेरा निर्दयी पिता है! वह बहुत ही बुरे है! उसने उन सभी को बताया है उन छोटे इब्रानी बच्चों को मारे डाले। और उन में से एक मां ने अपने बच्चे को बाहर फेंक दिया है, यह अपेक्षा करते हुए कि यह कहीं भी किनारे पर आ सकता है। ओह, वह दुष्ट है! तो, वो इस एक बच्चे को नहीं मारेगा, क्योंकि यह एक मेरा बच्चा है।" हूं-हुंह, देखा परमेश्वर किस तरह से कर रहा है?

261 उसने उसे उठा लिया, और [भाई ब्रंहम चूमने की आवाज करते हैं—सम्पा।] वह उसे चूमती है। और बालक रोने लगा। और जब यह रोया, तो इसने बस उसके हृदय को गर्म कर दिया। उसने कहा, "बेचारी छोटी सी चीज।" कहा, "मैं उसे ले लुंगी और मैं उसे बुलाऊंगी... मैं उसे एक नाम देने जा रही हूं।" और यहीं पर उसको उसका नाम मिला।

262 उसका नाम क्या था? [सभा के लोग कहते है, "मूसा।"—सम्पा।] मूसा। और *मूसा* का अर्थ है "पानी में से निकाला गया।" समझे?

263 उसने कहा, "अब मैं उसे मूसा बुलाऊँगी, और वो मेरा खुद का बालक होगा। मैं उसे रखूंगी। लेकिन अब," उसने कहा, "लेकिन मैं एक दासी हूं, मैं उसे दूध नहीं पिला सकती। मेरे—मेरे—मेरे पास उसे पोषण करने का कोई तरीका नहीं है।" उनके पास उस समय ये बोतलें और चीजें नहीं होती थी। स्त्रियां सिगरेट नहीं पीती थी और जैसे वे अब पीती हैं, आप देखिए,

और अपने आप को जहर दे देती है। तो कहा, "ठीक है, यदि तुम किसी को जानते हो... " कहा, "मैं क्या—क्या करूं? " सो उसने कहा, "मैं... "

264 उनमें से एक ने कहा, "मैं आपको बताऊंगा, महामहिम, मैं आपके बच्चे के लिए दूध पिलाने वाली धाय को ढूंढूंगा।"

"ओह," उसने कहा, "यह बहुत अच्छी बात है।" छोटा...

265 कुछ तो बोला, एक दूत वहां झाड़ी पर खड़ा हुआ था, कहा, "मरियम, यह तुम्हारी बोलने की बारी है! वहां तुम्हारी बारी है!" छोटी मरियम भाग कर बाहर निकली। कहा, "अभी तुम कुछ नहीं कहना, तुम ऐसा ना करना। तुम झाड़ियों से बाहर निकलो और कहो कि तुम 'एक दूध पिलाने वाली को ढूंढोगी,' और जाकर अपनी मां को ले आओ।"

तो ठीक है, सो उसने ऐसा कहा। उसने कहा, "महामहिम!"

266 अब, साधारणतया, उसने कहा होगा, "तुम यहाँ क्या कर रही हो? " लेकिन, देखो, परमेश्वर इसे पूरी तरह से ढक रहा था। क्यों? उसके पास दस हजार आगे बढ़ते हुए दूत थे। देखा? उसकी योजना काम करने जा रही है। उसके पास दस हजार दूत वहां पर खड़े हुए थे।

267 तो पहली बात जो आप जानते हैं, कहा, "आपका... "

कहा, "हाँ, छोटी प्रिय, तुम यहाँ क्या कर रही हो? "

268 उसने कहा, "मैंने अभी आपको बच्चे के साथ देखा है।" कहा, "मैं जानती हूं कि एक अच्छी मां कहां पर है जो आपके लिए आपके बच्चे की देखभाल करेगी।"

269 उसने कहा, "जाकर, उसे ले आओ, और उसे बताओ कि मैं उसे इस बच्चे की देखभाल करने के लिए एक सप्ताह में तीन सौ डॉलर दूंगी, और मैं उसे वहां महल में कमरों का एक पूरा परिजन दूंगी। और यदि तुम जानती हो कि वो एक इब्रानी महिला कहां पर है, जो एक दूध पिलाने वाली धाय है, जो इस बच्चे को दूध पिला सकती है, यह मेरा बच्चा है।"

कहा, "हां, महामहिम, मैं आपके लिए उस एक को लेकर आऊँगी।"

270 कहा, "अब, एक मिनट रुको! इससे पहले कि तुम महल के अंदर जाओ, तुम्हारे पास एक पासवर्ड होना चाहिए। देखो, तुम पासवर्ड को नहीं जानती हो। हर दिन हमारे पास एक पासवर्ड होता है। अब, आज का पासवर्ड, तुम जानती हो कि यह क्या था? 'एक कांटेदार फावड़ा और घास

का ढेर।'" कहा, "यही है जो तुम्हे फाटक से होकर जाने के लिए कहना होगा।"

271 सो छोटी मरियम घर की ओर गर्व से जाने लगती है, जितनी तेजी से वह जा सकती है, जाती है, और दीवार के ऊपर से कूदती हुई, आगे सड़क की ओर, और *इस* तरफ से, और *उस* तरफ से नीचे, और जितनी तेजी से वह जा सकती है। वह घर में दौड़ती है।

272 और—और अम्राम अभी–अभी घर पर आया था, और योकेबेद। और, ओह, वे उदास थे, सोच रहे थे कि क्या हो रहा है। उसने कहा, "बेचारा मेरा बच्चा! बेचारा मेरा बच्चा!" वह...

273 उसने कहा, "अब जरा सुनना।" कहा, "मैं अभी थोड़ी देर पहले वहां सड़क पर से आया हूं, और उस बेचारी मां ने हर एक जन को पूरे दिन ऊपर रखा है। वे राक्षसी आज सुबह ठीक इस पड़ोस वाले घर में से होते हुए आयी, और उन्होंने वहां पड़ोस में हर एक बच्चे के सिर को फोड़ दिया।" और कहा, "वे किस तरह से चिल्ला रहे थे और रो रहे थे! अब, नहीं जानता, तुम्हारा बच्चा, यह कहाँ है। जहां भी हमारा बच्चा है, परमेश्वर इसकी चिंता करेगा।"

274 तभी कुछ तो हुआ... [भाई ब्रंहम पुलपिट पर चार बार खटखटाते हैं—सम्पा।] "ओह! ओह! अब वे वहां द्वार पर हैं।" इसलिए, उन्होंने जाकर और देखा। नहीं, यह नहीं है। यह मरियम है।

275 उसने कहा, "ओह! ओह, मरियम! अंदर आ जाओ, प्रिय! बच्चे का क्या हुआ? "

उसने कहा, "माँ, मुझे बहुत भूख लगी है।"

कहा, "लेकिन बच्चे का क्या हुआ? "

276 कहा, "माँ, मुझे बहुत ही भूख लगी है।" कहा, "ओह, प्रभु की स्तुति हो! हाल्लेलुय्या! मुझे बहुत ही भूख लगी है, मां।"

कहा, "लेकिन बच्चे का क्या हुआ? "

277 कहा, "मां, मैं बहुत ही भूखी हूं कि मैं घर की हर एक चीज खा सकती हूं।"

278 कहा, "हम तुम्हारे लिए खाने के लिए कुछ तो लाएंगे, लेकिन उस बच्चे का क्या हुआ?" [भाई ब्रंहम पुलपिट को तीन बार खटखटाते हैं—सम्पा।]

279 कहा, "ओह, बच्चा बिल्कुल ठीक है, माँ। मुझे खाने के लिए कुछ तो दे दो। ओह, मैं बहुत ही खुश हूं!"

"लेकिन इसका क्या हुआ?"

280 "तो ठीक है, मुझे खाने के लिए कुछ दे दो, मुझे बस बहुत ही भूख लगी है।" क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं?

281 उसने कहा, "मरियम! यह तेरे माता और पिता है। बच्चा कहाँ है?" [भाई ब्रंहम ने पुलपिट को तीन बार खटखटाया—सम्पा।]

282 उसने कहा, "माँ, मैंने आपको बताया। बच्चे को, मैंने इसे देखा, और यह बिल्कुल ठीक है। अब, माँ, मेरे लिए कुछ तो खाने को लाओ; मैं भूख से मर रही हूं। आप जानते हैं, मुझे—मुझे बस बहुत ही भूख लगी है।" जैसे आप लोग भूखे होते हैं जब आप स्कूल से घर आते हैं, आप जानते हैं; ओह, बस कुछ तो होना चाहिए।

तो, वह गई और उसके लिए एक सैंडविच ले आई। कहा, "अब मुझे बताओ।"

283 और वह इस तरह से करती है, "स्वादिष्ट, स्वादिष्ट, स्वादिष्ट," खाती है, आप जानते हैं, जैसे। कहा, "मां?"

कहा, "हां, लेकिन बच्चे का क्या हुआ?"

284 "क्यों," कहा, "माँ..." उसने उसे कहानी सुनाई। और कहा, "माँ, तुम जाकर अपने सबसे अच्छे कपड़े ले आओ, और अपना सूटकेस को तैयार करो, क्योंकि तुम बच्चे की देखभाल करने जा रही हो।" ओह! ओह! ओह!

"क्या?"

285 यदि आप इसे खो देते हैं, तो आप इसे फिर से पा लेंगे। क्या यह सही है? यदि आप इसे बचाते हैं, तो आप इसे खो देंगे। यदि आप इसे दे देते हैं, इसे खोते है, आप इसे पा लेंगे। क्या यह सही है?

286 और छोटी मरियम बस खाती जा रही थी। कहा, "हां।" कहा, "तुम आज महल जा रही हो। और केवल इतना ही नहीं, लेकिन तुम वहां जा

रही हो, तुम्हे दिए जायेंगे, एक सप्ताह में तीन सौ डॉलर दिए जाएंगे, और राष्ट्र में सबसे अच्छे कमरे, अपने खुद के बच्चे की देखभाल करने के लिए।"

287 सारे संसार के इतिहास में पहली बार जहां एक मां को कभी अपने बच्चे को दूध पिलाने के लिए भुगतान किया गया था। देखा परमेश्वर इसे कैसे करता है? [भाई ब्रंहम तीन बार ताली बजाते हैं—सम्पा।] हाल्लेलुय्या! अपने खुद के बच्चे को दूध पिलाती है, और इसके लिए एक सप्ताह में तीन सौ डॉलर मिलता है, और देश में सबसे अच्छे कमरे। परमेश्वर चीजों को करता है, क्या वह नहीं करता? क्या ये प्रार्थना के लिए भुगतान करता है? [सभा कहती है, "हां।"] क्या प्रार्थना करना अच्छा है? ["आमीन।"]

288 तो, उसने अपना छोटा सा सूटकेस तैयार किया। अब हम जल्दी करेंगे, हम बस कुछ मिनट में बंद करने जा रहे हैं। तो हम... उसने अपना सूटकेस तैयार किया, और रास्ते में वह निकल पड़ी, बस उतनी ही तेजी से जितनी तेजी से वह जा सकती थी। और पहली बात जो आप जानते हैं, वह वहां आती है; बड़ा बूढ़ा पहरेदार अपने बड़े भाले के साथ वहां खड़ा हुआ था, कहा, "वहां कौन जाता है?"

उसने कहा, "एक कांटेदार फावड़ा और घास का ढेर।"

"आगे बढ़ो।" देखा कि परमेश्वर किस तरह से चीजों को करता है?

289 अगले पहरेदार के पास गये। वहां उसने अपनी तलवार खींची, कहा, "तुम कौन हो? वहां कौन जाता है?"

कहा, "एक कांटेदार फावड़ा और घास का ढेर।"

कहा, "आगे बढ़ो।" ओह! देखा कि परमेश्वर किस तरह से चीजों को करता है?

290 ऊपर जाओ, जाकर महल में से होकर देखो; आरंभ करते है, और सारा राजघराने के लोग बाहर आते है, उनकी तलवारों को बाहर खींचते है। "वहां कौन जाता है?"

कहा, "एक कांटेदार फावड़ा और घास का ढेर।"

"अंदर आगे बढो।"

291 पहली बात जो आप जानते हैं, एक मनुष्य बाहर आया, कहा, "क्या तुम वही छोटी महिला हो जिसके लिए महामहिम प्रतीक्षा कर रही है?"

"जी हाँ।"

292 “और क्या यही आज सुबह बच्चे के लिए दूध पिलाने वाली दाई मिली थी? ”

“जी हाँ।”

293 कहा, “तो ठीक है, उसे अंदर ले आओ।” इसलिए वह बच्चे को वहां लाती है... मतलब मां को भीतर लाती है।

294 और—और वो—वो छोटी राजकुमारी बाहर चली जाती है, और उसने कहा, “क्या तुम बच्चो के विषय में कुछ भी जानती हो? ”

उसने कहा, “जी हाँ, महामहिम।”

उसने कहा, “इस बालक की ओर देखो। क्या वह सुंदर नहीं है? ”

“हां, महामहिम। हाँ है।”

कहा, “क्या तुम जान सकती हो कि एक बच्चे को कैसे दूध पिलाना है? ”

“हां, महामहिम। निश्चय ही।”

295 “ठीक है,” उन्होंने कहा, “मैं तुम्हें दूंगा, तुम्हारी मजदूरी तीन सौ डॉलर प्रति सप्ताह है।” हुंह! क्या परमेश्वर भला नहीं था? और कहा, “और तुम्हारे पास महल में सबसे अच्छे कमरे हैं, और तुम्हारा भोजन तुम्हारे पास भेजा जाएगा। तुम्हें यहां तक बाहर आकर और अपना खाना खुद नहीं बनाना पड़ेगा।” कहा, “अब, यहाँ वो बालक है, सावधान रहना। इसे गिराना मत।”

“ओह, चिंता ना करो, मैं नहीं करूंगी। चिंता ना करे, मैं इसे नहीं गिराऊँगी।”

“तुम इसकी सबसे बेहतर तरिके से देखभाल करना।”

296 “आप चिंता ना करे, मैं करूंगी। इसकी सबसे अच्छी देखभाल होगी।” निश्चय ही, यह उसका अपना था, देखो। “मैं इसकी सबसे अच्छी देखभाल करूंगी।”

“तुम देख रही हो कि यह एक सुंदर बालक है? ”

“बहुत ही सुंदर,” उसने कहा।

“ठीक है।”

297 मरियम और उसकी मां और छोटा मूसा के सामने द्वार बंद कर दिया। और जब दरवाजा बंद था, उसने यहाँ–वहां देखा। उसने कहा, "टस्क–टस्क–टस्क! और उसने सोचा कि तुम *उसके* बालक हो। हा–हा–हा–हा–हा!" ओह, प्रभु! वो इसे लाड–प्यार करने लगी।

298 उसने क्या किया था? वह... यदि उसने इसे बचाया होता, तो उसने क्या किया होता? [सभा कहती है, "इसे खो दिया होता।"—सम्पा।] क्योंकि, उसने इसे वापस उसी एक को दे दिया जिसने उसे दिया था, और उसने (क्या?) इसे पा लिया, और वह इसे बचा सकी। अब क्या होता है यदि हम खो देते हैं... यदि हम अपने प्राण को बचाते हैं, तो क्या होता है? ["हम इसे खो देंगे।"] हम इसे खो देंगे। और यदि हम इसे वापस उसी को एक को देते हैं जिसने हमें इसे दिया है, तो क्या होगा? ["हम इसे बचा लेंगे।"] हम इसे बचा लेंगे। क्या यह सही है?

299 आप में से कितने लोग वेदी पर आकर और प्रार्थना करना चाहेंगे? क्या आप इसे करना चाहेंगे? क्या आप चाहेंगे कि यीशु आपकी देखभाल करे जैसे उसने उनकी की, छोटे बच्चे की? कैसे... आओ हम सब, छोटे बच्चों, अब यहाँ वेदी के चारों ओर इकट्ठा हो जाए। क्या आप ऐसा करेंगे? ठीक यहाँ सामने आकर, वेदी के चारों ओर घुटने टेके। आइए प्रार्थना करें, आप सभी जन। अब सारे छोटे बच्चे यहां पर आ गए। क्या आपको इस विषय में मेरी कहानी पसंद आई? [सभा कहती है, "हां।"—सम्पा।] क्या आपको यह पसंद आयी? अच्छी बात है, अब आप ठीक आगे वेदी के चारो ओर आ जाये। अब आ जाए। आप सब छोटे बच्चे आकर, वेदी के चारो ओर घुटने टेके, ठीक वहां पर—ठीक वहां वेदी पर बस घुटने टेके। बस यही है। आप सारे जो पीछे है, अब यहां आ जाये, हम प्रार्थना करने जा रहे हैं। तो ठीक है। आप आगे आकर और प्रार्थना करना चाहते हैं। आगे आकर और वेदी के चारों ओर घुटने टेके। यह सही है। अब, यह अच्छा है। बस यह ठीक है।

300 अब, माताएं, आप भी आना चाहती हैं, और पिता, आप सब गलियारे में घुटने टेकना चाहते हैं?

301 अब मैं आप छोटे बच्चों से यहां कुछ तो पूछना चाहता हूं। देखो। क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु आपसे प्रेम करता है जैसे उसने मूसा से किया था? क्या आप विश्वास करते हैं कि वे दूत आपको इस तरह से

देखते हैं? अब, परमेश्वर ने आपको एक प्राण दिया है, क्या उसने नहीं दिया? अब, यदि आप अपने प्राण को बचाते हैं, तो इसका क्या होगा? [बच्चे कहते हैं, "इसे खो देंगे।"—सम्पा।] इसे खोने जा रहे हैं। लेकिन यदि आप इसे आज सुबह वापस यीशु को देते हैं, तो आप क्या करने जा रहे हैं? ["इसे बचा लेंगे।"] इसे बचाने जा—जा रहे है। आप बचाना चाहते हैं। अब आप अपने प्राण को बचाना चाहते हैं, क्या आप नहीं चाहते? और आप बड़े होकर सच्ची मां बनना चाहती हैं और सच्ची महिलाये, क्या आप नहीं चाहती; और सच्चे पुरुष, प्रचारक, और इत्यादि? क्या आप ऐसा नहीं करना चाहते हैं? अब, यदि आप चाहते हैं, तो आप अपना प्राण यीशु को दे। यही वो तरीका है जिसे आप करते हैं। आप कहते हैं, "प्रिय यीशु, यही सब है जो मुझे आपको देना है, यह मेरा प्राण है, लेकिन आप मुझ पर नजर रखेंगे जैसे आपने मूसा पर नजर रखी थी।"

302 अब, यदि आप में से कुछ वरिष्ठ लोग भी आकर और घुटने टेकना चाहते हैं, आप में से कुछ माताएं, हो सकता है, कि आप आज सुबह यहां घुटने टेकना चाहेंगे। तो, यह आपके लिए भी खुला है। यदि आप चाहे, तो आ जाए, तो ठीक यहाँ पर आकर घुटने टेके। यह ठीक है। यहाँ एक माँ अपने छोटे लड़के के साथ आ रही है। क्या कोई और होगा?

303 एक पिता, डैडी, आप में से कोई भी, यदि आप अब्राम की तरह प्रार्थना करने वाले व्यक्ति बनना चाहते हैं, तो आप भी आकर, घुटने टेके।

304 माँ, यदि आप योकेबेद की तरह बनना चाहती हैं, तो, आप ठीक साथ ही आकर, वे भी घुटने टेके।

305 निश्चय ही, यह सबके लिए है। क्योंकि (क्या?) आपके पास भी एक प्राण है। यदि आप इसे बचाते हैं, तो क्या होगा? [सभा कहती है, "इसे खो देंगे।"—सम्पा।] इसे खो देंगे। और यदि आप इसे वापस उसी एक को देते हैं जिसने इसे आपको दिया है, तो क्या होगा? ["इसे बचा लेंगे।"] आप इसे बचा लेंगे, सनातन जीवन के लिए। यह सही है। अब, क्या आप यहाँ पर आगे एकत्र नहीं होना चाहेंगे, आप सारे जो अब इच्छा रखते है, और आइए हम इन छोटे बच्चों के साथ, और हमारे साथ, अब सभी के साथ प्रार्थना करें।

306 मातृ दिवस, एक अद्भुत दिवस। और हो सकता है आज रात, मैं अपने विषय को बदल सकता हूं और आज रात को आगे जारी रखूंगा और

बताऊंगा कि उस मां ने क्या किया, उस मां ने कैसे किया। यही वो एक थी जिसने अपने छोटे से लड़के को शिक्षित किया कि सारे इस्राएल की अगुवाई प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर करे। ओह, वह एक सच्ची मां थी। क्या वह एक सच्ची मां नहीं थी? [बच्चे कहते हैं, “हां।”—सम्पा।] अब, आपके पास भी एक सच्ची माँ है, और माँ आपके लिए प्रार्थना कर रही है। वो एक सच्चा पिता था। और पिता आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। और अब हम सब एक साथ मिलकर प्रार्थना करने जा रहे हैं, और यीशु से हमारी सहायता के लिए मांगेंगे।

भाई नेविल, क्या आप आकर हमारे साथ घुटने टेकेंगे?

307 और हम सब अपने सिरों को झुकाये, हर कहीं पर। अब बहन गर्टी... [पियानोवादक बजाना आरंभ करता है, *उन्हें अंदर ले आओ*—सम्पा।]

308 प्रिय स्वर्गीय पिता, आज यह छोटी सी साधारण सी कहानी, बहुत पहले बीते हुए दिनों के बारे में थी, जहां एक सच्चा पिता और माता, एक सच्चा विश्वासी, आपके पास आये और उन्होंने आपकी आराधना की। उन्होंने आप पर विश्वास किया। वहां उस समय पर देश में संकट था। और हम किस तरह से जानते हैं कि आज सुबह ना ही यहाँ एक आधुनिक छोटा मूसा घुटने टेके हुए है! हम कैसे जानते हैं कि आज सुबह ना ही एक आधुनिक छोटी मरियम भी यहां घुटने टेके हुए है, भविष्यव्यक्तनी!

309 हे प्रिय पिता, ये छोटे बच्चे आपसे प्रेम करते हैं, और वे आये हैं, क्रूस पर घुटने टेके हुए, यह समझते हुए कि उनके पास एक प्राण है जिसे अवश्य ही बचाया जाना है, और वे इसे अब आपको दे रहे हैं। क्योंकि हमने अभी आपके वचन में पढ़ा है, “यदि तुम इसे खोते हो, तो तुम इसे पा लोगे; और यदि तुम इसे बचाते हो, तो तुम इसे खो दोगे।” और, पिता, वे अपने प्राण को अपने पास नहीं रखना चाहते। वे अपने आप के लिए नहीं जीना चाहते। वे अपना प्राण आपको देना चाहते हैं, जिससे कि, इसे देने के द्वारा, वे अनंत जीवन को पा सके। प्रदान करें, इसे प्रदान करें, प्रभु।

310 इन सारे छोटे लड़के और लड़कियों को जो वेदी के चारों ओर है आशीषित करें। माता और पिताओं को आशीषित करें जो आज सुबह यहां पर है। ओह, होने पाए आपका प्रेममय अनुग्रह और दया उन सभी पर हो। प्रभु, हमारे सारे पापों और कमी-घाटियों को क्षमा करें। हमारे बीच से बीमारी को निकाल दीजिये।

311 दूतो को भेजिए! हाल्लेलुय्या! परमेश्वर, आप जिसने जिब्राईल को आज्ञा दी, और दस हजार दूत उस कुच पर निकल गये, और कितने ही और दूत वहां आ गये है जब उन्होंने इन बेचारे छोटे बच्चों को आज सुबह इस वेदी पर घुटने टेकते हुए देखा! हर कहीं पर, इस वेदी के ऊपर और इस कलीसिया में से होते हुए, परमेश्वर के दूत खड़े हुए हैं। लेखा–जोखा रखने वाला दूत यहां पर है, उनके नाम को एक किताब में लिख रहा है। वे अपने प्राण को खो रहे हैं, जिससे कि वे इसे मसीह में पा सके! इसे प्रदान करें, प्रभु।

312 होने पाए, इस दिन से लेकर, अब से आगे, उनका छोटा सा जीवन मधुर और नम्र हो। होने पाए वे अपने माता–पिता और अपने स्वर्गीय पिता के आज्ञाकारी बालक बने, जब तक आप उन्हें घर नहीं बुला लेते। उनकी छोटी सी नाव में उनका मार्गदर्शन करें, हर एक भँवर में से होते हुए। जब हर बार यह झाड़ियों में फंस जाती है, तो होने पाए परमेश्वर के दूत इसे परमेश्वर के प्रेम की बहती धाराओं के अंदर धकेल दें। इसे प्रदान करें, प्रभु। और मार्ग के अंत में, होने पाए वे एक प्यारे से घर को पाये, और उनकी मां और उनके प्रिय जन वहां महिमा में है, जहां परमेश्वर उस दिन स्वागत करने के लिए फाटक पर खड़ा होता है। इसे प्रदान करे, पिता।

313 हमारे सारे पापों और अपराधों को क्षमा करें। और इस दिन से हमारी सहायता करें कि हम पूरी तरह से आपके बने रहें। हम इन छोटे बालकों को अब आपके हाथों में सौंपते हैं। और ये माताये जो उनके साथ है, प्रभु, कि वे इस मातृ दिवस पर सही तरह की माताये बने, यह यादगार समय जो माताओं को दिया गया है। और होने पाए वे, इस दिन से लेकर, बेहतर मां बने। होने पाए बच्चे बेहतर बच्चे बनें। होने पाए हम सब बेहतर हो, प्रभु, और आपकी अधिक से अधिक सेवा करें। इसे प्रदान करें, पिता, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

अब आइये एक छोटे से समूह गीत को गाये।

314 क्या आप विश्वास करते हैं कि यीशु ने आपको बचाया? क्या आप चाहते हैं कि यीशु अब आप पर नजर रखे, जब आप खड़े होते हैं? उसकी ओर अपना हाथ ऊपर उठाये, अब *इस* तरह से। मैं चाहता हूं कि आप अपने पिता और माता और उन सभी की ओर फिरे। *इस* ओर घूमे। अब यहाँ उनकी ओर देखें, माता और पिता को। आप सब छोटी लड़कियां और लड़के खड़े हो जाये। अब, कितने लोग यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप

में स्वीकार करते हैं, और आप अब से लेकर यीशु पर भरोसा करने जा रहे हैं, ताकि आपकी देखभाल करे जैसे उसने छोटे मूसा के साथ किया, आइए आपके हाथों को उठते हुए देखें। आप में से हर एक जन। यह अच्छा है! अब क्या हुआ? यदि आप अपने प्राण को बचाते हैं, तो आप क्या? [सभा कहती है, "इसे खो देंगे।"—सम्पा।] इसे खो देंगे। लेकिन यदि आप इसे यीशु को देते हैं, तो क्या होगा? ["इसे बचा लेंगे।"] आप इसे बचा लेंगे। अब, क्या हो यदि आज सुबह यीशु आपको पा लेता है? और अब आप यीशु के है, क्या आप नहीं है? आप यीशु के छोटे लड़के और लड़की हैं।

315 इन छोटे से बच्चों को देखो, जो यहां आंसू के साथ खड़े हैं। मुझे बताओ क्या परमेश्वर इस बात को नहीं जानता? आमीन। आने वाले कल के पुरुष और महिलाये! खड़े हो जाये।

> उन्हें पाप के क्षेत्रों से अंदर ले आओ;
> उन्हें अंदर ले आओ, उन्हें अंदर ले आओ,
> छोटे बच्चो को यीशु के पास लाओ।

ओह, मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं, अब आइये!

> ओह,

आप सभी।

> ... मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं,

अब हमारे हाथ को ऊपर उठाये।

> ओह, मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं,
> ओह, मैं यीशु से कितना प्रेम करता हूं,
> क्योंकि उसने पहले मुझसे प्रेम किया।

316 क्या यह सुंदर नहीं है? अब, *यीशु संसार के छोटे बच्चों से प्रेम करता है।* बहन, हमें स्वर को देना। अब आप सब ठीक इस ओर घूमे, मेरी ओर, आप छोटी लड़कियां। मैं गाना चाहता हूं *यीशु संसार के छोटे बच्चों से प्रेम करता है।* कितने इस गीत को जानते हैं? तो ठीक है, आइये अब हम गाये।

> यीशु छोटे बच्चों से प्रेम करता है,
> संसार के सारे बच्चे;
> लाल और पीले, काले और सफेद, वे उसकी दृष्टि में
> बहुमूल्य हैं,

यीशु संसार के छोटे बच्चों से प्रेम करता है।

317 अब, आप सब अब सेना में है। क्या आप यह जानते थे? आप जानते हैं कि आप परमेश्वर की सेना में हैं? अब, आप ठीक अब मेरी ओर देखें। और अब मेरे साथ इसे गाये, क्योंकि अब आप योद्धा हो। क्या आप यह जानते हैं? क्रूस के योद्धा! अब, *मैं हो सकता है कभी भी कुच नहीं कर सकता*... आप उस गीत को जानते हैं? तो ठीक है। तो ठीक है, बहुत समय पहले, पुराने संडे स्कूल के गीत को मैंने सीखा था।

मैं हो सकता है कभी नहीं...

अब आप, अब मेरे साथ गाये। [भाई ब्रंहम गाते समय संकेत द्वारा बताते है, *मैं प्रभु की सेना में हूं*—सम्पा।]

मैं हो सकता है कभी भी सेना में पैदल कदमताल नही
किया हो,
घुड़सवार सेना में सवारी, तोप से गोलाबारी;
मैं हो सकता है कभी भी शत्रु के ऊपर से नहीं उड़ा,
लेकिन मैं प्रभु की सेना में हूं।

मैं प्रभु की सेना में हूं,
ओह, मैं प्रभु की सेना में हूं!

अब मेरे साथ गाये। अब सब एक साथ मिलकर। अब!

मैंने हो सकता है कभी भी सेना में पैदल कदमताल नही
किया हो,
घुड़सवार सेना में सवारी, तोप से गोलाबारी;
मैं हो सकता है कभी भी शत्रु के ऊपर से नहीं उड़ा,
लेकिन मैं प्रभु की सेना में हूं।

318 आप विश्वास करते हैं कि आप इसे अपने आप से गा सकते हैं? यहाँ ऊपर आओ, लेस्सी, ठीक यहाँ ऊपर आ जाओ। अब मैं चाहता हूं कि आप सब उन्हीं इशारे से अभिनय को करे जो मैं करता हूं। अब यहां वेदी के पीछे आ जाये। ठीक यहाँ ऊपर आ जाये। आप में से हर एक जन, ठीक यहां ऊपर चलकर आये जहां मैं हूं, देखो। यहाँ ऊपर चलकर आओ; कोई भी वेदी से बाहर नहीं रहता है। ठीक यहां मेरे साथ आ जाओ। बस। तो ठीक है। ठीक *इस* प्रकार से। अब *इस* तरह से घूमे, इस श्रोतागण की ओर

देखो, *इस* तरह से। बस। मैं आपको दिखाना चाहता हूं कि छोटे लड़के और लड़कियां यीशु को जानने के बाद क्या करते हैं। अब, लड़के और लड़कियां ठीक यहाँ वापस आ जाये। अब आप... बस। अब वहां देखिए।

319 अब जब मैं कहता हूं, "मैं हो सकता है कभी भी सेना में हूं," आप... "पैदल सेना में कदमताल करते हुए," आप भी कदमताल करे। जब मैं कहता हूं, "मैं हो सकता है कभी भी घुड़सवार सेना में सवारी नहीं किया हो," आप वही करे जो मैं करता हूं। अब मुझसे दूर हो जाए, अब बिल्कुल पीछे, जगह को बनाते हुए। बहुत पीछे, बहुत पीछे, अब आप तैयार है। अब चलिए, आओ हम इसे गाये। [भाई ब्रंहम और बच्चे गाते समय इशारे से अभिनय करते हैं—सम्पा।]

मैंने हो सकता है कभी भी सेना में पैदल कदमताल नही
  किया हो, (देखो!)
घुड़सवार सेना में सवारी, तोप से गोलाबारी;
मैं हो सकता है कभी भी शत्रु के ऊपर से नहीं उड़ा,
लेकिन मैं प्रभु की सेना में हूं।

ओह, मैं प्रभु की सेना में हूं,
मैं प्रभु की सेना में हूं! (तैयार है!)

मैंने हो सकता है कभी भी सेना में पैदल कदमताल नही
  किया हो,
घुड़सवार सेना में सवारी, तोप से गोलाबारी;
मैं हो सकता है कभी भी शत्रु के ऊपर से नहीं उड़ा,
लेकिन मैं प्रभु की सेना में हूं।

320 आमीन! बस शांत खड़े रहे। कितने लोग ऐसे है? कहे, "आमीन।"

321 अब, स्वर्गीय पिता, आज इन छोटे बच्चों को आशीष देना। वे आपके हैं, प्रभु। उन्होंने अपना जीवन आपको दिया है। उन्होंने मूसा की छोटी सी कहानी को सुना और आपने कैसे उसकी रक्षा की। उन्होंने एक अच्छी मां और एक अच्छे पिता के बारे में सुना जिन्होंने उनकी सहायता की और उनका पालन–पोषण किया। और वैसे ही ये छोटे बच्चे अच्छे माता और पिता होंगे। और मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप उन पर नजर रखेंगे और उन्हें समय की धारा में ले जायेंगे, और होने पाए परमेश्वर के दूत उनकी रक्षा करें। देना... और फिर ग्रहण करने के अंत में हो, उन्हें अंत के

दिनों में स्वीकार करे, प्रभु, आपके राज्य में। हम मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

322 अब आप अपनी सीटों पर वापस जा सकते हैं और अपने पिता और माता को बता सकते हैं कि आप कितना अच्छा महसूस कर रहे है। आमीन।

323 "उनके भटकने के सारे दिनों में उनकी अगुवाई की गई थी।" (आप इस गीत को भी जानते हैं?)

... उनके भटकने पर उनकी अगुवाई की गई,
प्रतिज्ञा के देश की ओर उनकी अगुवाई की गई;
प्रभु के हाथ के द्वारा, निश्चय ही मार्गदर्शन में,
उन्हें कनान के किनारे पर लाया गया।

हर कोई गाये!

रात के समय पर आग का चिन्ह,
और दिन के समय बादल का चिन्ह,
ठीक पहले, ऊपर मँडराता हुआ,
जब वे हमारे मार्ग पर यात्रा कर रहे है,
एक मार्गदर्शक और एक अगुवा होगा,
जब तक जंगल बीत नहीं जाता,
क्योंकि प्रभु, हमारा परमेश्वर, उसके अपने अच्छे समय में
अंत में हमें उजियाले की ओर अगुवाई करेगा।

324 कितने लोग आज सुबह बीमार हैं और प्रार्थना को चाहते हैं? आइए आपके हाथ को देखें। ऐसा होने के कारण हमें थोड़ी देर हो गई है, हो सकता है हम अपनी चंगाई की सभा को आज रात के लिए रखे, और बस अब प्रार्थना के एक शब्द को सामने रखेंगे, क्योंकि हमें थोड़ी देर हो गई है।

325 क्या आपने छोटी सी कहानी का आनंद लिया है? [सभा कहती है, "आमीन!"—सम्पा।] आप सोचते हैं कि यह छोटे से बच्चों के लिए अच्छी थी? ["आमीन!"] जी हां। हम—हम उन्हें बहुत सी बार छोड़ देते हैं। हमें ऐसा नहीं करना चाहिए। देखिए, मुझे संडे स्कूल में सिखाने का कभी मौका नहीं मिला, और आज सुबह उनसे बात करने का समय था। मैं आपको थकाना नहीं चाहता था, लेकिन मैं आपको यह छोटी सी कहानी बताना चाहता था।

326 याद रखें, छोटे बच्चों, यह कोई ऐसी पुरानी कहानी नहीं है जो आपने कहीं भी पढ़ी हो। यह सच्चाई है। यही सच्चाई है! परमेश्वर ने ऐसा किया। और वह अब *आपके* साथ है। तो ठीक है।

327 आइए अब हम अपने सिरों को झुकाये, जब हम अपने समाप्ति के गीत को गाते हैं, धीरे–धीरे, "यीशु का नाम अपने साथ ले, हर एक शत्रु से एक ढाल की नाई।" तो ठीक है।

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दु:ख और शोक की संतान।

56-0513 मूसा पर शिक्षा
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org